—:: कार्यवाही विवरण ::—

मेसर्स महावीर कोल वाशरीज प्राईवेट लिमिटेड, ग्राम—भेलाई (यूनिट—1), तहसील—बलौदा, जिला—जांजगीर—चांपा (छ.ग.) द्वारा खसरा क्रमांक 157/1, 158/3, 160, 161, 162/1 शामिल 163, 162/2, 162/3, 164/1, 165/1, 165/2, 178, 180, 190/1, 190/2, 194, 176, 182, 175 एवं 179, कुल क्षेत्रफल 15.13 एकड (6.123 हेक्टेयर) में कोल वाशरी क्षमता—0.95 मिलियन टन प्रतिवर्ष से बढ़ाकर 2.48 मिलियन टन प्रतिवर्ष वेट टाईप के पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु अपर कलेक्टर एवं अपर जिला दण्डाधिकारी, कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, जिला—जांजगीर—चांपा (छ.ग.) की अध्यक्षता में **दिनांक 11/02/2026 को समय प्रातः 11:00 बजे, स्थान :— शासकीय प्राथमिक शाला, झर्राडीह, ग्राम—भेलाई तहसील—बलौदा जिला—जांजगीर—चांपा (छ.ग.)** में नियत लोक सुनवाई का कार्यवाही विवरण :—

भारत शासन, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली की, ई.आई.ए. अधिसूचना 14.09.2006 (यथा संशोधित) के तहत् मेसर्स महावीर कोल वाशरीज प्राईवेट लिमिटेड, ग्राम—भेलाई (यूनिट—1), तहसील—बलौदा, जिला—जांजगीर—चांपा (छ.ग.) द्वारा खसरा क्रमांक 157/1, 158/3, 160, 161, 162/1 शामिल 163, 162/2, 162/3, 164/1, 165/1, 165/2, 178, 180, 190/1, 190/2, 194, 176, 182, 175 एवं 179, कुल क्षेत्रफल 15.13 एकड (6.123 हेक्टेयर) में कोल वाशरी क्षमता—0.95 मिलियन टन प्रतिवर्ष से बढ़ाकर 2.48 मिलियन टन प्रतिवर्ष वेट टाईप के पर्यावरणीय स्वीकृति के संबंध में लोक सुनवाई सूचना हेतु स्थानीय समाचार पत्र हरिभूमि एवं राष्ट्रीय अंग्रेजी समाचार पत्र फायनेंसियल एक्सप्रेस, नई दिल्ली के मुख्य संस्करण में दिनांक 09/01/2026 को लोक सुनवाई संबंधी सूचना प्रकाशित करवाई गई थी। तदानुसार लोक सुनवाई दिनांक 11/02/2026 को समय प्रातः 11:00 बजे, स्थान :— शासकीय प्राथमिक शाला, झर्राडीह, ग्राम—भेलाई तहसील—बलौदा जिला—जांजगीर—चांपा (छ.ग.) में नियत की गई थी। ई.आई.ए. अधिसूचना दिनांक 14.09.2006 (यथासंशोधित) के प्रावधानों के अनुसार ड्राफ्ट ई.आई.ए. रिपोर्ट, कार्यपालकसार की प्रति (हिन्दी व अंग्रेजी में) एवं इसकी सी.डी. (साफ्ट कॉपी) जन सामान्य के अवलोकन/पठन हेतु कलेक्टर, कार्यालय कलेक्टर, जिला—जांजगीर—चांपा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, कार्यालय, जिला पंचायत—जांजगीर, जिला—जांजगीर—चांपा, अनुविभागीय अधिकारी (रा0), कार्यालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा0)—अकलतरा, जिला—जांजगीर—चांपा, महाप्रबंधक, कार्यालय महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, चांपा, जिला—जांजगीर—चांपा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, कार्यालय जनपद पंचायत—बलौदा,

जिला–जांजगीर–चांपा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, कार्यालय नगर पंचायत/नगर पालिका परिषद–बलौदा, जिला–जांजगीर–चांपा, तहसीलदार, कार्यालय तहसीलदार–बलौदा, जिला–जांजगीर–चांपा, क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, व्यापार विहार पं. दीनदयाल उपाध्याय पार्क के पास, बिलासपुर, सरपंच/सचिव कार्यालय ग्राम पंचायत/ग्राम–भेलाई, बलौदा, चारपारा, बछौद, जूनाडीह, बिरगहनी, बुड़गहन, कोरबी, कुरमा, नवापारा, डोंगरी, खिसोरा, पंतोरा, जावलपुर, मोहदा, ढ़ोरला, लेवई, नवागांव, कोलिहा देवरी, रसौटा, दहाकोनी, तहसील/जनपद पंचायत–बलौदा, जिला–जांजगीर–चांपा (छ.ग.), सरपंच/सचिव कार्यालय ग्राम पंचायत/ग्राम :– बूचीहरदी, भैंसतरा, करहीडीह, तहसील/जनपद पंचायत–अकलतरा, जिला–जांजगीर–चांपा (छ.ग.), सरपंच/सचिव कार्यालय ग्राम पंचायत/ग्राम :– जर्वे, नवापारा, तहसील/जनपद पंचायत–जांजगीर, जिला–जांजगीर–चांपा (छ.ग.) डायरेक्टर, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन, मंत्रालय, भारत सरकार, इंदिरा पर्यावरण भवन, वायु विंग, जोरबाग रोड़, नई दिल्ली, क्षेत्रीय निदेशक, एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, अरण्य भवन, नार्थ ब्लॉक, सेक्टर–19, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर एवं मुख्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, पर्यावास भवन, नॉर्थ ब्लॉक, सेक्टर–19, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर (छ.ग.) में रखी गई थी। परियोजना के संबंध में सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां एवं आपत्तियां सूचना प्रकाशन जारी होने के दिनांक से 30 दिन के अंदर क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, बिलासपुर (छ.ग.) में लिखित रूप से कार्यालयीन समय में प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया। इस दौरान लोक सुनवाई के संबंध में सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां/आपत्तियों के संबंध में इस कार्यालय को 27 आवेदन पत्र प्राप्त हुआ था।

लोक सुनवाई दिनांक 11/02/2026 को समय प्रातः 11:00 बजे, स्थान :– शासकीय प्राथमिक शाला, झर्राडीह, ग्राम–भेलाई तहसील–बलौदा जिला–जांजगीर–चांपा (छ.ग.) में नियत की गई थी। लोक सुनवाई की कार्यवाही नियत समय पर आरंभ की गई।

सर्वप्रथम श्री ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर, अपर कलेक्टर एवं अपर जिला दण्डाधिकारी, कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, जिला–जांजगीर–चांपा (छ.ग.) एवं अध्यक्ष लोक सुनवाई द्वारा लोक सुनवाई की कार्यवाही आरंभ करने की अनुमति के साथ श्रीमती रश्मि श्रीवास्तव, क्षेत्रीय अधिकारी, क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, बिलासपुर (छ.ग.) द्वारा भारत शासन, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी ई.आई.ए. अधिसूचना 14.09.2006 (यथा संशोधित) के परिपेक्ष्य में लोक सुनवाई के महत्व एवं प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी जनसामान्य को दी गई।

तत्पश्चात् परियोजना प्रस्तावक की ओर से उद्योग प्रतिनिधि श्री संदीप कुमार वर्मा, मुख्य महाप्रबंधक एवं पर्यावरण सलाहकार श्री जगमोहन चन्द्रा, मेसर्स महावीर कोल वाशरीज

प्राईवेट लिमिटेड, ग्राम–भेलाई (यूनिट–1), तहसील–बलौदा, जिला–जांजगीर–चांपा (छ.ग.) द्वारा खसरा क्रमांक 157/1, 158/3, 160, 161, 162/1 शामिल 163, 162/2, 162/3, 164/1, 165/1, 165/2, 178, 180, 190/1, 190/2, 194, 176, 182, 175 एवं 179, कुल क्षेत्रफल 15.13 एकड (6.123 हेक्टेयर) में कोल वाशरी क्षमता–0.95 मिलियन टन प्रतिवर्ष से बढ़ाकर 2.48 मिलियन टन प्रतिवर्ष वेट टाईप परियोजना के संबंध में संक्षिप्त जानकारी से जनसामान्य को अवगत कराया गया।

अपर कलेक्टर एवं अपर जिला दण्डाधिकारी, कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, जिला–जांजगीर–चांपा (छ.ग.) एवं अध्यक्ष लोक सुनवाई द्वारा उपस्थित जनसमुदाय को लोक सुनवाई संबंधी विषय पर अपने सुझाव, आपत्ति, विचार, टीका–टिप्पणी मौखिक अथवा लिखित रूप से प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया।

तत्पश्चात् उपस्थित लोगों ने मौखिक रूप से सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां/आपत्तिया दर्ज कराया गया। जिसका विवरण निम्नानुसार है :–

1. **श्री अजय कुमार देवांगन, ग्राम–भेलाई** :– मैं महावीर कोल वाशरी के प्लांट का विस्तार के लिए अपना समर्थन देता हूँ। क्योंकि प्लांट का विस्तार होगा तो हम गाँव वाले को काम मिलेगा। सी. एस. आर. में विकास कार्य के लिए काम मिलेगा और गाँव के बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा। मैं प्लांट विस्तार में अपना समर्थन देता हूँ ।
2. **श्री मनीष कुमार रात्रे, ग्राम–बिरगहनी** :– मैं महावीर प्लांट को समर्थन देता हूं।
3. **श्री अभिषेक कुमार, ग्राम–बिरगहनी** :– मैं महावीर प्लांट को समर्थन देता हूं।
4. **श्री कमलदास, ग्राम–कोरबी** :– मैं महावीर प्लांट को समर्थन देता हूं।
5. **श्री शिवानंद मानिकपुरी, ग्राम–कोरबी** :– मैं महावीर वाशरी को समर्थन देता हूं। यहां से रोजगार प्राप्त हो सकेगा।
6. **श्री अनुराग जोशी, ग्राम– कोरबी** :– मैं महावीर को वाशरी को समर्थन करता हूं।
7. **श्री योगेश, ग्राम– कोरबी** :– मैं महावीर कोल वाशरी को समर्थन करता हूं।
8. **श्री शिवराज निर्मलकर, ग्राम– कोरबी** :– मैं महावीर कोल वाशरी को समर्थन करता हूं।
9. **श्री कलेश्वर दास, ग्राम– कोरबी** :– महावीर वासरी को समर्थ करता हूं।
10. **श्री संजय चौधरी, ग्राम– बलौदा** :– मैं महावीर कोल वाशरी को समर्थन करता हूं।
11. **श्री राजेश धीवर, ग्राम– बलौदा** :– मैं महावीर कोल वाशरी को समर्थन करता हूं।
12. **श्री सत्येंद्र जोशी, ग्राम–बिरगहनी** :– मैं महावीर कोल वाशरी को समर्थन करता हूं।
13. **श्री नीतीश कुमार, ग्राम–बिरगहनी** :– मैं महावीर कोल वाशरी को समर्थन करता हूं।

14. **श्री प्रदीप जोशी, ग्राम–बिरगहनी** :– मैं महावीर कोल वाशरी को समर्थन करता हूं।
15. **श्री निहाल कुमार जांगडे, ग्राम–कोरबी** :– मैं महावीर कोल वाशरी को समर्थन करता हूं।
16. **श्री उमेश कुमार जांगडे, ग्राम–कोरबी** :– मैं महावीर कोल वाशरी को समर्थन करता हूं।
17. **श्री संजय कुमार, ग्राम–रामपुर** :– महावीर कोल वाशरी को समर्थन करता हूं।
18. **श्री सूरज कुमार, ग्राम– बलौदा :–** मैं महावीर का समर्थन करता हूं।
19. **श्री संदीप कुमार, ग्राम– बलौदा :–** महावीर कोल वाशरी को समर्थ–समर्थन।
20. **श्री नरेन्द्र बैनर्जी, ग्राम– मढ़ेसाल :–** महावीर कोल वाशरी का समर्थन करता हूं।
21. **श्री चितरंजन सूर्यवंशी, ग्राम–सिवनी** :– मैं महावीर कोल वाशरी का समर्थन करता हूं।
22. **श्री राकेश डहरिया, ग्राम–कोरबी** :– मैं महावीर कोल वाशरी का समर्थन करता हूं।
23. **श्री शिवा निर्मलकर, ग्राम–मोहड़े** :– मैं महावीर कोल वाशरी का समर्थन करता हूं।
24. **श्री किशन कंवर, ग्राम–रामपुर** :– मैं समर्थन करता हूं।
25. **श्री नाम महेंद्र देव जांगडे, ग्राम –**कोरबी :– मैं महावीर को समर्थन करता हूं।
26. **श्री गौकरण, ग्राम–नगपुरा** :– मैं महावीर को समर्थन करता हूं।
27. **श्री सुनील कुमार देवांगन, ग्राम–भेलाई** :– मैं महावीर कोल वाशरी का कर्मचारी हूं। मैं कोल वाशरी की क्षमता विस्तार का समर्थन करता हूं।
28. **श्री मदनलाल यादव ग्राम– भेलाई** :– कोल वाशरी की यूनिट बढ़ाने में समर्थन है मेरा ।
29. **श्री सुदामा देवांगन, भेलाई** :– मैं महावीर को समर्थन करता हूं।
30. **श्री सुखीराम देवांगन, ग्राम–भेलाई** :– मैं महावीर कोल वाशरी को समर्थन करता हूं कि अधिक से अधिक ग्राम पंचायत–भेलाई आदि के लोगों को रोजगार दिया जाए।
31. **श्री सतीश कुमार यादव, ग्राम– भेलाई** :– मैं महावीर कोल वाशरी को समर्थन करता हूं।
32. **श्री धर्मलाल यादव, ग्राम–भेलाई** :– मैं महावीर कोल वाशरी को समर्थन करता हूं।
33. **श्री खोरबहरा, ग्राम–भेलाई** :– मैं महावीर कोल वॉशरी को समर्थन करता हूं।
34. **श्री शिवप्रसाद देवांगन, ग्राम–भेलाई** :– मैं महावीर कोल वाशरी यूनियन संगठन का अध्यक्ष हूं, मेरा एक सुझाव है सर, कैपेसिटी तो बढ़ रहा है, लेकिन मेरा मजदूर यहां 15 साल से कार्यरत है सर, मैं जितना अधिकारी आए है उनसे मैं प्रार्थना करता हूं कि थोड़ा उन वर्करों के दर्द को समझते हुए उन वर्करों का थोड़ा पेमेंट बढ़ाने का

कष्ट करें और ध्यान दें मैं जन सुनवाई जो हो रहा है अभी कैपेसिटी बढ़ाने का उसका मैं समर्थन करता हूं।

35. **श्री गोपीचंद देवांगन, ग्राम– भेलाई**:– मैं महावीर कोल वाशरी को समर्थन करता हूं।
36. **श्री अमृतलाल यादव, ग्राम– भेलाई**:– मैं महावीर कोल वॉशरी को समर्थन करता हूं।
37. **श्री संतोष कुमार यादव, ग्राम– भेलाई** :– मैं महावीर कोल वॉशरी को समर्थन करता हूं।
38. **श्री विजय बंजारे, बलौदा** :– मैं महावीर कोल वॉशरी को समर्थन करता हूं।
39. **श्री आकाश** :– मैं महावीर कोल वॉशरी को समर्थन करता हूं।
40. **श्री प्रदीप कुमार** :– मैं महावीर कोल फील्ड को समर्थन करता हूं।
41. **श्री राहुल कुमार, ग्राम– बलौदा** :– मैं महावीर कोल वॉशरी को समर्थन करता हूं।
42. **श्री देवप्रसाद कुर्रे, ग्राम– बलौदा** :– मैं महावीर कोल वॉशरी को समर्थन करता हूं।
43. **श्री सूर्यापाल बंजारे** :– मैं कोल वॉशरी का समर्थन करता हूं।
44. **श्री अंकुश कुर्रे, ग्राम–खड़गापारा** :– मैं महावीर कोल वॉशरी को समर्थन करता हूं।
45. **श्री सुशील कुमार रोहरे, ग्राम– खड़गापारा** :– मैं महावीर कोल वॉशरी को समर्थन करता हूं।
46. **श्री साहिल** :– मैं कोल वॉशरी को समर्थन करता हूं।
47. **श्री श्रवण कुमार बंजारे, ग्राम–हरदी विशाल :–** मैं महावीर कोल वॉशरी को समर्थन करता हूं।
48. **श्री महावीर यादव :–** मैं महावीर कोल वॉशरी को समर्थन करता हूं।
49. **श्री धनेश्वर दास :–** मेरा इस कोल वॉशरी को समर्थन है।
50. **श्री सुरेश यादव :–** मैं समर्थन करता हूं।
51. **श्री करन यादव ग्राम–भेलाई :–** मैं महावीर कोल वॉशरी का समर्थन करता हूं।
52. **श्री परमेश्वर यादव, ग्राम–कोरबी :–** मैं महावीर कोल वॉशरी को समर्थन करता हूं।
53. **श्री देवी प्रसाद यादव, ग्राम–भेलाई :–** मैं महावीर कोल वॉशरी का समर्थन करता हूं।
54. **श्री ओमप्रकाश ओगरे, ग्राम–बिरगहनी :–** महावीर कोल वॉशरी के मुख्य गेट के सामने में पुलिया टूटा हुआ है, अभी तक कई बार जाते हैं उसके पास, जे.सी.बी. मांगते हैं, इस पुलिया को पटवा दो करके जेसीबी देने में उसके सुरक्षा गार्ड लोग आनाकानी करने लगते हैं और पुलिया टूटा हुआ है। उसके साथ–साथ आगे का रोड है, वो पूरा कच्चा है, पूरा कीचड़ है, इस ओर किसी का ध्यान नहीं जा रहा है। हम वॉशरी वाले से मांग करते हैं कि उस पुलिया को बनवाएं और उस रोड को कच्चा रोड है, जिसमें दोनों का गुजर बसर हो रहा है, उस रोड को बनवाएं और खाली समर्थन करने के

लिए उसके कर्मचारी लोग आ रहे हैं। हम समर्थन करते हैं, ठीक है, कर्मचारी लोग समर्थन करेंगे, उसके यहां उनका रोजगार चल रहा है, रोजगार दे रहे हैं लोगों को लेकिन कुछ गली–मोहल्ले का निर्माण है, उसको भी उसे करना चाहिए। इस संबंध में हम अधिकारियों का ध्यान आकर्षित कराते हैं कि उसके सामने में जो पुलिया है और जहां से वॉशरी का पानी जाता है, डैम में और कीचड़ जाता है, यहां थाना वाले भी जाते हैं, सभी गाड़ी चलता है, उसमें किसी गाड़ी नहीं जा पाता हैं, मोटर साइकिल नहीं चल पाता, क्या भाई उद्योग खोला है, उसको एक निश्चित राशि लोगों को जन विकास में देना है तो निश्चित राशि से गली–मोहल्ला का रोड निर्माण कराएं और कुछ नहीं बोल रहे हैं हम न ही इनको हम मना कर रहें है।

55. **श्री सुभाष कुमार शुक्ला, पूर्व सरपंच ग्राम–जावलपुर :–** अभी बीच में हम लोग चक्का जाम कर रहे हैं तो वासरी के द्वारा तत्काल डामरीकरण करके रोड बनाया गया है। जावलपुर के वो रोड अभी ठीक है और बिना वॉशरी के काम चले, बिना बिजली–पानी के नहीं हम सब जानते हैं, पढ़े लिखे और समझदार हैं। अगर जब तक कोयला नहीं निकलेगी तब तक पानी लाइट नहीं मिलेगा। भाई कुछ सहयोग हम लोग को भी करना पड़ेगा और सरकार से निवेदन है कि हम लोग के रोड को बीच–बीच में बनाते रहे।

56. **श्री कमल सिंह कंवर, ग्राम–भेलाई :–** मैं महावीर कोल वॉशरी को समर्थन करता हूं।

57. **श्री सुमित कुमार चिलकर, ग्राम–बेनी :–** मैं भी कोल वॉशरी का समर्थन करता हूं।

58. **श्री संजय मनी राठौर, ग्राम–बुड़गांव :–** मैं महावीर वॉशरी को समर्थन करता हूं।

59. **श्री नरेश कुमार देवांगन, ग्राम–भेलाई :–** मैं महावीर वॉशरी को समर्थन करता हूं।

60. **श्री विनोद श्रीवास, ग्राम–भेलाई :–** मैं महावीर वॉशरी का समर्थन करता हूं।

61. **श्री ओमप्रकाश खुंटे, ग्राम–भेलाई :–** मैं महावीर कोल वॉशरी के समर्थन में हूं।

62. **श्री भगवान शरण, ग्राम–भेलाई :–** मैं महावीर कोल वॉशरी का एक ठेकेदारवाला कर्मचारी हूं। महावीर कोल वॉशरी के क्षमता बढ़ाने में समर्थन करता हूं।

63. **श्री शाहीद मोहम्मद, ग्राम– बलौदा** :– मैं पहले बेरोजगार था। वहां मेरे को काम मिल गया है, अच्छे से मेरे घर परिवार चल रहा है। मैं कोल वॉशरी को समर्थन देता हूं।

64. **श्री मनीराम खुटे, पूर्व सरपंच ग्राम पंचायत–भेलाई, वर्तमान जनपद प्रतिनिधि बलौदा :–** हम लोगों के कहने से आपके जनसुनवाई रुकने वाला नहीं है। जन सुनवाई तो होना ही है, गांव का विकास हो या न हो, उसके बारे में आप लोग देखेंगे नहीं। खाली जन सुनवाई कराएंगे और गांव के विकास के लिए काम नहीं देंगे। गांव में जब कोल वॉशरी खुलता है तो गांव के आदमी को रोजगार मिलना चाहिए, यह सोचकर

गांव वाले कहते हैं, लेकिन अभी तक देखा जाए तो गांव वालों को किसी को प्राथमिकता नहीं दिया गया है। बाहर के आदमी को यहां काम दिया जा रहा है और बाहर के आदमी को इतना प्राथमिकता है, गांव वालों को नहीं। मेरे कहने का मतलब यह है कि जब गांव में कोल वॉशरी खुला है तो गांव के आदमी पलायन न हो और गांव के आदमी को अधिक से अधिक रोजगार मिले, जैसा उनका योग्यता है। योग्यता नहीं है तो हमें प्रशिक्षण दें और काम शुरू कराएं। यही मेरा कहाना है।

65. **श्रीमती विंदेश्वरी कुर्रे, ग्राम–नवाखार पारा** :– मैं समर्थन देती हूं।
66. **श्री निशान पांडे, ग्राम–सिवनी लालागड़ी :–** मैं महावीर कोल वॉशरी का समर्थन करता हूं।
67. **श्री मुकेश शुक्ला, ग्राम–महुदा :–** मैं महावीर वॉशरी का समर्थन करता हूं।
68. **श्री वेद प्रकाश, ग्राम– नवापारा खार :–** मैं महावीर वॉशरी का समर्थन करता हूं।
69. **श्री राम गोपाल रात्रे, ग्राम–बलौदा :–** ये जन सुनवाई जो किया जा रहा है, यह पब्लिक को चुतिया बनाने का तरीका है। ना हमारे विरोध करने से कुछ होगा और ना ही समर्थन से कुछ होगा। आज बीस साल हो गए महावीर कोल वॉशरी खुले ग्राम पंचायत डोंगरी के होते हुए वहां से पूरा गाड़ी निकलती है। हमने कई बार वॉशरी से मांग किए हैं, एक रुपए का काम हमारे ग्राम पंचायत में नहीं दिया गया है। यह अन्याय है कि न्याय है, मैं अधिकारी लोग से समझना चाहूंगा। बाकी तो हमारा विरोध करने से कुछ होना जाना तो नहीं है। सब पब्लिक तो बिके हुए हैं वॉशरी से।
70. **श्री रामचन्द्र जोशी, ग्राम–रामनगर, बलौदा :–** मैं महावीर कोल वॉशरी का समर्थन करता हूं।
71. **श्री शिवशंकर यादव, ग्राम–बलौदा :–** मैं समर्थन करता हूं।
72. **श्री पुरूषोत्तम कुमार, ग्राम–सोनडीह :–** मुझे महावीर कोल वॉशरी से रोजगार मिला है अतः मैं कोल वॉशरी का पूर्ण समर्थन करता हूं।
73. **श्री विजेंद्र कुमार, ग्राम–अमलीपाली :–** मुझे महावीर में काम मिला है और मैं महावीर का समर्थन करता हूं।
74. **श्री कृष्ण कन्हैया श्रीवास, ग्राम– नवापारा :–** मैं महावीर कोल वॉशरी का समर्थन करता हूं।
75. **श्री सुमन सांडे, ग्राम– बुड़गहन :–** मैं महावीर वॉशरी का समर्थन करता हूं।
76. **श्री मन मोहन यादव, ग्राम– बुड़गहन :–** मैं महावीर वॉशरी का समर्थन करता हूं।
77. **श्री अजय सिंह, ग्राम– कटरा :–** मैं महावीर वॉशरी का समर्थन करता हूं।
78. **श्री दिलीप कुर्रे, ग्राम– बुड़गहन :–** मैं महावीर वॉशरी को समर्थन करता हूं।

79. **श्री सूरज पाल, ग्राम– खड़गाबहरा :–** महावीर वॉशरी का समर्थन करता हूं।
80. **श्री विमल कुमार, ग्राम– बलौदा :–** मैं वॉशरी का समर्थन करता हूं।
81. **श्री आलोक कुमार बंजारे, ग्राम– महुदा** :– मैं कोल वॉशरी को समर्थन करता हूं।
82. **श्री अभिषेक कुमार, ग्राम– बलौदा :–** मैं कोल वॉशरी का समर्थन करता हूं।
83. **श्री धर्मेन्द्र कुमार यादव, ग्राम पंचायत–भेलाई, पंच वार्ड न.–8 :– य**हां जो वॉशरी के कैपेसिटी का जो विस्तार हुआ हो रहा है, उसका मैं समर्थन करता हूं व साथ ही मैं महावीर कोल वॉशरी से निवेदन करना चाहता हूं कि विस्तार से रोजगार जो बढ़ेगा, उसमें हमारे स्थानीय लोगों को पहली प्राथमिकता होनी चाहिए और साथ ही जो सी. एस.आर. के द्वारा जो विकास कार्य होते हैं, उनको हमारे ग्राम पंचायत में पहली प्राथमिकता उनका ही होना चाहिए और जो सी.एस.आर. से जो सड़कें हैं, उनको बहुत ही पहली प्राथमिकता देने की कृपा करेंगे और हमारे स्थानीय लोगों को रोजगार देने की कृपा करेंगे।
84. **श्री हर्षित पाठक, ग्राम–बलौदा :–** मैं महावीर वॉशरी का समर्थन करता हूं।
85. **श्री साहिल शाह, ग्राम–बलौदा :–** मैं महावीर वॉशरी का समर्थन करता हूं।
86. **श्री चित्रांश श्रीवास्तव, ग्राम–बलौदा** :– मैं महावीर वॉशरी का समर्थन करता हूं।
87. **श्री अनुराग पांडेय, ग्राम–बलौदा** :– महावीर को समर्थन करता हूं।
88. **श्री राम खिलावन पटेल, ग्राम–महुदा :–** मैं महावीर कोल वॉशरी को क्षमता बढ़ाने के लिए समर्थन करता हूं।
89. **श्री मनोज कुमार अग्रवाल, उप सरपंच ग्राम पंचायत–डोंगरी :–** मैं महावीर कोल वॉशरी का विरोध करता हूं। 20 साल हो गए गाड़ी गुजरते हमारे यहां से आज तक किसी प्रकार की काम रोड में नहीं किया गया है। हमारे गांव के किसी को कोई नौकरी नहीं दिया है। गांव की युवाओं को किसी प्रकार का कोई योजना का लाभ नहीं दिया गया है।
90. **श्री सुशील कुमार यादव, ग्राम–बुड़गहन :–** मैं महावीर वॉशरी को समर्थन करता हूं।
91. **श्री संतोष कुमार यादव, ग्राम–कटरा :–** मैं महावीर वॉशरी को समर्थन करता हूं।
92. **श्री दीपक कुमार पटेल, ग्राम–बुड़गहन :–** मैं महावीर वॉशरी को समर्थन करता हूं।
93. **श्री दीपेश कुमार पटेल, ग्राम–बुड़गहन :–** महावीर वॉशरी को समर्थन करता हूं।
94. **श्री हरिनारायण, ग्राम–जावलपुर :–** महावीर कोल वॉशरी का समर्थन करता हूं।
95. **श्री शिवम कुमार यादव, ग्राम–पसारी बांधा :–** महावीर कोल वॉशरी का समर्थन करता हूं।

96. **श्री विनोद शुक्ला, प्रदेश अध्यक्ष युवा किसान मोर्चा :–** मच में विराजमान प्रशासन के बहुत जिम्मेदार अधिकारीगण, यहां बैठे सभी सुरक्षा में लगे हुए सभी आदरणीय रक्षकगण और इस क्षेत्र के आए हुए सभी नौजवान साथी मन, बुद्धिजीवी और प्रबुद्ध नागरिक मन, बहुत दिन बाद, एक लंबा अरसा के बाद आज जनसुनवाई फिर हमर क्षेत्र में, हमर जगह में फिर होवत हे। तो हम सब ला अपन उचित उचित बात ल कहना चाहिए, बोलना चाहिए। यह मंच है एक ऐसे माध्यम में, जिन अपन बात ल कहे जा सकत हे, शासन तक बात ल पहुंचाये जा सकत हे। आज हमर क्षेत्र म अकलतरा विधानसभा दो ब्लॉक ल मिला के बने हे, अकलतरा और बलौदा, बलौदा नगर अउ अकलतरा नगर। हमर ग्रामीण क्षेत्र पर हमर बलौदा विकासखंड बर जो भी वासी हमर वर्तमान म पूर्व म खुले हे एमन हमर क्षेत्र बर सही शब्द में फैक्ट्री माने जाए। उद्योग के ऐसे जगत हे उद्योग के ऐसी जगह हे, जिहा हम सब के यहां पहले के बेरोजगार युवक थे, जिनले रोजगार नहीं मिल पाथे। चाहे शिक्षा की कमी में हो, धन की कमी में हो, अर्थ की कमी में हो, जो लक्ष्य तक पहुंचना हे, योग्यता के अनुसार वो पहुंच नई पाथ हे। तो निश्चित रूप से ओकर ध्यान यही आसपास के औद्योगिक जगह है, जहां उद्योग खुले हे। सौ पचास रोजगार की संभावनाएं हे। बेरोजगार युवक मन ल मैं यही दरखास इस मंच के माध्यम से करिहव। महावीर कोल वॉशरी ला, कि हमर क्षेत्र के जतका भी यथायोग्य जो उचित व्यक्ति हवय, जो योग्यता रखथे, ओ मन ल बिना किसी दबाव के, बिना किसी सिफारिश के, बिना किसी अनुशंसा के रोजगार लगाए की बात करही और रोजगार देके गारंटी दीही। क्षेत्र के किसान मन ल निश्चित रूप से पर्यावरण प्रदूषित होथे। धूल धक्कड़ से हमर खेत खलिहान ल नुकसान होथे। आम आदमी के जीवन ल भी स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से बहुत ही क्षति पहुंचथे, नुकसान पहुंचथ। ये सब ल भी हमन सब्र करथन, सहे बर, ओकर साथ चले बर, तो ओमन के भी दायित्व बनथे, ओकर भी अधिकार बनथे, फर्ज बनथे कि हमर क्षेत्र के किसान मन ल, जेन जेन भी किसान मन ल अधिक प्रदूषित हे, अधिक यदि प्रदूषण से नुकसान खेती ल होथे, धान की पैदावार कम होथे, खातु माटी डाले के बाद भी धान के उत्पादन नहीं हो पाथे, तो मैं ये मंच के माध्यम से ही दरख्वास्त करिहौं, अपील करिहौं कि ओ किसान मन ल भी शिकाराई से चिंतन करते हुए, मनन करते हुए और ओकर तकलीफ को समझते हुए, ओकर भी समस्या के निराकरण करे के बात होना चाहिए। ये मांग मैं महावीर कोल वाशरी ला, ये पर्यावरण संरक्षण मंडल के माध्यम से जनसुनवाई होथे, कहना चाहत हव, बताना चाहत हव। ये क्षेत्र ह बहुत ही गरीब, बहुत ही आर्थिक रूप से कमजोर नागरिक मन की जगह हे। यहां अन्य कोई

आसपास में कोई उद्योग जगत नई हे, कोई बड़ी फैक्ट्री नई हे, कोई सीमेंट फैक्ट्री नई हे, कोई लोहा के कारखाना नई हे जे हमर क्षेत्र के पहले के किसान मन के बेटा मन ल, युवक मन ल नौकरी मिल सकय, तो मैं कर स्वागत करियों कि और जेन कोलवासी विस्तार होथे, बढ़थे, यही आशा अपेक्षा के साथ कि हमन के संस्कार धानी जगह म, फिर हमर देवी स्थान हे, सब जगह श्री सिंगार माता हे, ठाकुर देव देवता हे, माता चौरा हे, ये सब हम माता मन के पूजा करथन काबर कि जब भी इस क्षेत्र के विकास होही, क्षेत्र डेवलप करही, आगे बढ़ही त हमर क्षेत्र के किसान मन के बेटा मन ल भी कुछ ना कुछ ए जगह म रोजगार मिलही, यही आशा अपेक्षा लेके ओ जगह म या ओ फैक्ट्री म जुड़े चाहत हे अउ ओला हटा के या निशंक खुला ए भाव मन नहीं लावे हे। तो मैं उनके सम्मान करते हुए, उनको अभिनंदन भी करता हूं। किसान मन के उकर स्वागत भी करत हौं कि ये सोच, ये मानसिकता एमन ऐसे रखे हैं, ओकर संग हम भी खड़े हन, हमर भी सहयोग है और आप सब मन से बहुत बहुत धन्यवाद ज्ञापित करते हुए, अपन सब बहुत कुछ कहे जा सकत हे, बहुत बोले जा सकत हे, लेकिन निचोड़ यही हे कि हमर क्षेत्र के बेरोजगार युवक मन ल रोजगार मिलना चाहिए। हमर किसान मन जो क्षति, नुकसान होही, ओले मुआवजा दिए जाना चाहिए। एकर से मैं बिल्कुल समर्थन करते हुए अपन बात ला यही शब्द के साथ अपन उद्‌बोधन ला बंद करत हव, धन्यवाद। जय हिंद। जय भारत, जय छत्तीसगढ़!

97. **श्री शिवराज कुमार रात्रे :–** महावीर को समर्थन करता हूं।

98. **श्री सदन यादव, पूर्व सरपंच, ग्राम पंचायत भिलाई, वर्तमान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष बलौदा :–** मैं पर्यावरण अधिकारी से पूछना चाहता हूं, कि हर साल वॉशरी द्वारा पौधा लगाया जाता है। पौधा तो लगा दिया जाता है, लेकिन उसकी देखरेख नहीं होता, न ही पानी उसमें डाला जाता है, न ही उसकी सुरक्षा किया जाता है। तो हम हजार पेड़ लगाएं, दस हज़ार पेड़ लगाएं, कोई काम का नहीं। मैं अधिकारियों से निवेदन करना चाहूंगा कि एक हज़ार पेड़ लगाएं, लेकिन उसका सुरक्षा व्यवस्था होना चाहिए, पानी व्यवस्था होना चाहिए, उसका देखरेख होना चाहिए। दूसरी बात है, वासरी द्वारा सी. एस.आर. का पैसा कहां खर्च होता है? सी.एस.आर. का पैसा मूलतः जहां प्लांट लगा रहता है, वहां खर्च होना चाहिए, उस क्षेत्र में होना चाहिए, प्रभावित गांव में होना चाहिए, लेकिन मैं माइक के माध्यम से कलेक्टर साहब को सूचित करना चाहता हूं कि जो सी.एस.आर. का पैसा कलेक्टर साहब उसको कमीशन में देकर चांपा में जांजगीर में खर्च करते हैं। हम लोग क्षेत्रवासी डस्ट से जूझ रहे हैं और रसमलाई कोई और खा रहे हैं। यह कहां का नियम है, मैं अधिकारियों से निवेदन करना चाहता हूं कि

जिस क्षेत्र में प्लांट लगा है, उस क्षेत्र में वृक्षारोपण हो, सीएसआर का पैसा लगे, हर तीन माह में कैंप लगे। तीसरी बात, इस क्षेत्र में एक ही कॉलेज है, नवीन महाविद्यालय, भेलाई–बलौदा में आज तक सी.एस.आर. से एक रुपए खर्च नहीं हुआ है। लगभग दस एकड़ जमीन है, वहां एक भी पौधा नहीं लगा है। यहां जो अभी जन सुनवाई हो रही है, वहां लगभग आठ एकड़ है, पूरा घेरा कर दिया गया है, लेकिन आज तक एक पौधा नहीं लगा है। मैं शासन से निवेदन करना चाहूंगा कि महाविद्यालय में बच्चों के पढ़ने के लिए एक वाचनालय व्यवस्था होना चाहिए। साथ ही वहां पर बच्चे लोग बरसात में आने जाने में असुविधा होती है। सीएसआर के माध्यम से वहां एक प्रतीक्षालय होना चाहिए और हर स्कूल में ठंडे पानी की व्यवस्था करना चाहिए। महावीर कोल वॉशरी के विस्तार होने में हम लोग को कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन जो सी.एस.आर. का पैसा है, वह पैसा ग्राम भिलाई, बिरगहनी, महुदा, नजदीक के हर गांव में खर्च होना चाहिए। धन्यवाद!

99. **श्री नरेन्द्र कुमार मित्तल, ग्राम–बलौदा :–** आज की जनसुनवाई में मैं इतना ही कहना चाहूंगा, कि जब तक घर में कोई व्यवस्था न हो, तब तक उस घर में हम कोई चीज विस्तार नहीं कर सकते। जैसे कोई गरीब का घर है और उसके पास पर्याप्त रुपए पैसे न हो, तो वह घर नहीं बना सकता और न ही उसमें कोई विस्तार कर सकता है। उसी प्रकार हमारे क्षेत्र की, का जो मॉडल है अर्थात क्षेत्र का जो रोड है तो उसके अनुरूप जो इस वाशरी के द्वारा क्षमता विस्तार किया जाना है, इसके अनुरूप नहीं है महोदय, क्योंकि हमारा क्षेत्र छोटा है। आसपास बहुत सारे ग्राम पंचायत, बलौदा के ऊपर आश्रित हैं। हमारा यह बलौदा जिला का एक प्रमुख ब्लॉक है और तहसील है, थाना है, स्वास्थ्य केंद्र है और बहुत सारे स्कूल और कॉलेज संचालित हैं। क्या इनको देखते हुए मात्र पंद्रह–बीस हमारे भिलाई ग्रामवासियों के रोजगार जिसमें निहित है, मात्र पंद्रह, बीस, पच्चीस उससे ज्यादा रोजगार भी नहीं दिया जाता तो किस हिसाब से हम इसे उचित कहें, यह समझ नहीं आता है। और दूसरी बात कि प्रबंधन के द्वारा जल के लिए कोई विशेष व्यवस्था नहीं की गई है। जिस प्रकार एनटीपीसी सीपत के लिए पाईपलाईन के द्वारा पानी लिया जाता है तो हमारे कोल वाशरी के द्वारा भूमि को छेद करके दो सौ फीट, चार सौ फीट इस बार सुनने को आया है कि लगभग बाहर से मशीन मंगाकर के सात सौ फुट गड्ढा किया गया है अर्थात बोर किया गया है। हमारे क्षेत्र में पचास–साठ फुट में पानी आता था। हिंद वासरी या जो भी वासरी स्थापित होने से पहले की बात है और स्थापित होने के बाद निरंतर प्रतिवर्ष जल का स्तर भूमिगत हो रहा है अर्थात नीचे जा रहा है। क्या हम अपने खेतों के लिए, अपने

जीवन के लिए, पानी पीने के लिए किसके ऊपर आश्रित रहेंगे? हमारी धरती माता के ऊपर, जबकि हमारा क्षेत्र नहर, अपाशी, सिंचाई क्षेत्र बहुत कम है। बलौदा क्षेत्र, हालांकि नहर यहां से गई है किंतु सिंचित क्षेत्र बहुत कम है। आप राजस्व रकबा, खसरा जो है, रिकॉर्ड में है, उसमें आप स्वयं जानते हैं। मुझे बताने की आवश्यकता शायद नहीं है। तो क्या सिंचित क्षेत्र न होते हुए हमारे जो किसान भाई पांच एचपी का, तीन एचपी का बोर कराकर वर्षा न होने की स्थिति में अपने बोर से पानी सिंचित करके धान की उपज करते हैं, उससे भी हमें हाथ धोना पड़ेगा और समस्याएं तो बहुत हैं। यहां बोलूंगा तो पता नहीं एक घंटा भी लग सकता है, लेकिन आपके पास समय नहीं है और, और भी लोग बोलने वाले हैं। मेरे पास भी समय नहीं है। बस इतना ही कहना चाहूंगा, निवेदन करना चाहूंगा शासन प्रशासन से कि इस पर विचार किया जाए और अभी क्षमता में विस्तार न किया जाए। क्योंकि बहुत लोग तो यहां आते हैं और हमारे जो पुलिस भाई हैं, तमाम जो पुलिस बल आए हैं, उनको देखकर डर जाते हैं, लेकिन उनको देखकर डरने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि वे भी हमारे भाई हैं और वे भी हमारे ही प्रकार मनुष्य हैं। उन्हें भी डर लगता है। अभी आपको घटना बता दूं कि हमारे इसी क्षेत्र में कई पुलिस जवान घायल हो चुके हैं, कोई मृत हो चुके हैं। बलौदा का बसंत रजक जी हैं, उसके बेटे पनतोरा पुलिस चौकी में आरक्षक थे, जहां अपनी ड्यूटी में जा रहे थे। रात को एक्सीडेंट हुआ, उनकी मौत हो गई। वो मेरे गांव का आदमी है, मेरे पहचान का आदमी। उसी प्रकार अभी बलौदा थाना में दीपक भाई हैं, लक्की उनका एक्सीडेंट हुआ, इसी कोल वासरी के साइडिंग में नैला जो अंडरग्राउंड से जाते हैं, जबकि यहां ओवरब्रिज भी नहीं है, ओवरब्रिज लंबित है। पांच वर्षों से डिमांड की जा रही है, लेकिन पता नहीं कब बनेगा, उस विषय में मैं नहीं जाऊंगा। लेकिन अगर हमें अपने जिले में जाना है तो या तो फाटक पार करके जाएंगे या फाटक के नीचे से जाएंगे और फाटक के नीचे से जाएंगे। अंदर ब्रिज से तो वहां साइडिंग है। कोल वासरी, ये जो कोयला चढ़ाते हैं ट्रेन में तो उसको पार करके जाना मतलब बहुत खतरा मोल लेकर के जाना। उसी में अभी दीपक भाई आरक्षक को एक्सीडेंट हुआ, उसका पैर अभी फ्रेक्चर है। कहने का मतलब यह है कि हम यहां अपने पुलिस जवान भाइयों को देख करके डरें नहीं, वे भी हमारे भाई हैं, वो भी दुखी और पीड़ित हैं। इन बड़ी बड़ी गाड़ियों के संचालन से और दूसरी बात एक और महोदय अभी बीच में मैं गया था। माननीय एसपी साहब से भी निवेदन किया था कि यहां नो एंट्री बीच में पूरी तरह खत्म हो गई थी तो वहां हमारे आवेदन के फलस्वरूप और भी लोगों के, मतलब आवेदन के फलस्वरूप ग्यारह से सुबह आठ से

ग्यारह किया गया। जबकि हमारी डिमांड थी कि सुबह आठ से बारह नो एंट्री स्कूली बच्चों का स्कूल टाइम ग्यारह से बारह रहता है मुख्य तो ग्यारह बजे तक नो एंट्री है। अभी गाड़ी संचालित है। अभी मैं आ रहा था, मेरे पीछे कम से कम खाली गाड़ियां इधर से आ रही थी। कम से कम पांच छह गाड़ी पीछे थी और दूसरी बात इतनी सारी गाड़ी चल रही है और नो एंट्री का समय यदि स्कूल के टाइम में है तो क्या स्कूल वाले बच्चे अपना टाइम बदल दें? नहीं, उनका टाइम तो निश्चित है तो नो एंट्री के बढ़ाने के लिए भी बात माननीय एसपी महोदय से मैंने उस दिन कहा था। अभी बीच में एक कार्यक्रम में वहां उनसे भेंट हुई थी तो बस यही कहना चाहूंगा कि हमारे क्षेत्र के इस जन समस्या को देखते हुए इस विस्तार पर विचार किया जाए और इस विस्तार को अभी लंबित करके रोका जाए, ताकि क्षेत्र में कोई ऐसी अप्रिय घटना न हो। क्योंकि जितनी गाड़ियां संचालन हो रही हैं, उतनी गाड़ियां इतने जब भय व्याप्त है तो और भी यदि क्षमता बढ़ेगी तो निश्चित है कि गाड़ियां बढ़ेगी। क्योंकि एक छोटा सा समाचार आया है हमारे नर्मदा घोषले जी के द्वारा उसे एक मिनट का है सुनाना चाहूंगा। मैंने अपने जनहित की बातों को ही रखा है और कोई भी अनर्गल वार्तालाप नहीं किया है, इस बात को भी माननीय महोदय से निवेदन करना चाहता हूं कि इसे गंभीरता से लिया जाए ताकि आगे भविष्य में किसी प्रकार का विरोध का सामना न करना पड़े और हमारे क्षेत्र की जनता को थोड़ा सा आने जाने के लिए सहूलियत प्रदान हो सके। मैंने इस समाचार को सुना तो मुझे भी थोड़ा भय लगा। उस समाचार को सुनकर कोई भी आम आदमी और उपस्थित सज्जन सुनेंगे तो आपको लगेगा कि हां, इसमें कुछ सच्चाई है और हमारे भविष्य के लिए बस इतना ही निवेदन है और ज्यादा आपका समय लेना नहीं चाहूंगा। धन्यवाद।

100. **श्री गणेश चौहान, ग्राम–बेलटुकरी :–** हमारे इस ब्लॉक में लड़की हैं, विद्यार्थी हैं, नवयुवक हैं, ये सब लोग बेरोजगार घुम रहे हैं। इसलिए मैं शासन से निवेदन करता हूं कि इन लोगों के जो मांग है, उसको पूरा करें। शासन जो भी योजना बनाए हैं, उसके साथ मैं इसके लिए वॉशरी के समर्थन में हूं।

101. **श्री कमल प्रसाद सोनवानी, ग्राम–बिरगहनी :–** हमारे ग्राम बिरगहनी से लगभग तीन किलोमीटर के अंदर में तीन वासरी है। तीन वासरी और अपना गांव स्वयं बिरगहनी में वासरी है, है और महावीर वासरी। हमारे बच्चे स्कूल जब जाते आते हैं तो आए दिन दुर्घटना का सामना करना पड़ रहा है और पानी भी नहीं डालते रोड पर। इससे बच्चों के स्वास्थ्य में भी हानि हो रहा है और नेत्र में विशेष कोयला का कण के माध्यम से नेत्र में विशेष और प्रभाव पड़ रहा है और हमारे ग्राम बिरगहनी का कृषि

भूमि का उत्पादन दिनो दिन नीचे होते जा रहे हैं और जो उत्पन्न हो रहा है उसको भी कृषि मंडी पर ले जाते हैं तो यह काला है, वो है ऐसे कहकर घुमा देते हैं। उसे हमें अतिरिक्त पैसा देना पड़ता है। उसके तौर पर तो हमारे धान खरीदी होते हैं।

102. **श्री चंद्रशेखर उपाध्याय, ग्राम–भेलाई :–** ये जो कोल वाशरी प्राइवेट लिमिटेड पर पर्यावरणीय स्वीकृति के लिए जन सुनवाई हो थे, जेमा ऐसे हावे के वे ह के पंद्रह एकड़ तेरह डिसमिल पूर्व में ही गांव के किसान मन अपन जमीन ला वासरी ल बेंच चुके हे, जेमा शून्य दशमलव नौ पांच मिलियन टन प्रति वर्ष क्षमता के चलत हावे, जेला अभी बढ़ाया जा थोड़ा दू दशमलव चार आठ के क्षमता के ये करना चाहत हे। पर्यावरण की जन सुनवाई है, जेमा गांव के मन जो कथे तेमा एकर जो कोल वाशरी के कायलो हे, एकर जब पिसाई होथे धुलाई होथे, तो ओकर जो धूल हे, धूल इहाँ तक के हो गए कथे गांव वाला मन के मुनगा फूलना फरना छोड़ चुके हावय। लेकिन ऐसे होथे हर कार्य म कुछ लाभ रथे, कुछ हानि रथे, जे सौ हजारों के फायदा हे, जे सौ दस रुपया के हुआ के मान लिया मुनगा साग के पीछे म जोने मन नहीं परें। ये सब बात को सोचते हुए हमर क्षेत्र के नागरिक मन नागरिक मन से विनती हावय, के इकर जो क्षमता बढ़ाए के जो ने चला थे, तेमा हमन ला असहमत नहीं होना चाहिए, सहमत होना चाहिए ताकि हमर क्षेत्र के जो शिक्षित बेरोजगार पड़े हे, तेमन ल रोजगार मिलही अउ जौन जौन विकास होना है, तेला अपन ये कि अनुसार जितना जितना समय वासरी ह करही ठीक हे कि मैं अपनी वाणी को विराम देता हूं।

103. **श्री राजकुमार कैवर्त, ग्राम–महुदा :–** मैं महावीर कोल वॉशरी की क्षमता में वृद्धि हेतु अपना समर्थन करता हूं।

104. **श्री मनोज कुमार यादव, ग्राम–महुदा (ब) :–** कोल वॉशरी का मैं समर्थन करता हूं।

105. **श्री गेंदराम रजक, ग्राम–महुदा (ब) :–** महावीर कोल वॉशरी का समर्थन करता हूं।

106. **श्री लोक सिंह मरकाम, ग्राम–महुदा (ब) :–** महावीर कोल वॉशरी के विस्तार को समर्थन करता हूं।

107. **श्री नवल किशोर सिंह, सरपंच, ग्राम पंचायत बुड़गहन :–** देखिए, वासरी विस्तार, वासरी का चलना ये सब शासन प्रशासन ऊंचे लेवल का काम है। हम तो गांव में रहते हैं, गांव से जुड़े हुए हैं। हम अपनी बात रखने के लिए यहां पर उपस्थित हैं। एक्चुअल में अगर देखा जाए तो वासरी से क्या आमदनी है, क्या नुकसान है? नुकसान हमको दिखता है, आमदनी हमको दिखता नहीं है, क्योंकि हम लोग कंपनी से नहीं जुड़े रहते। हम लोग जनता से जुड़े हैं। नुकसान बहुत सारे हैं जैसे धूल, धुआं और लगातार हमारे गांव में एक ही है। ये जो महावीर वासरी है, इसकी समस्त

गाड़ियां इसको छोड़ करके चाहे हिंद वासरी हो, चाहे क्लीन कोल का हो, समस्त गाड़ियां मेरे गांव से होकर के गुजरती है और वासरी से दूरी मेरे गांव की कम से कम 10 किलोमीटर की है। मैं आवेदन किया था माननीय कलेक्टर महोदय को कि मेरे गांव को सीएसआर मद का लाभ मिलना चाहिए, लेकिन दुर्भाग्य कि उसमें ना कोई सुनवाई हुई है और ना ही हमको लाभ मिला है। एक्चुअल में देखा जाए तो क्या है? ये वासरी की स्थापना से बहुत लोगों को आर्थिक लाभ हमारे लोकल स्तर पर होती है, यह हमको देखने को मिलता है। लेकिन एक शिकायत हमको वासरी से और संबंधित विभाग से, चाहे कोई भी वासरी हो। लोकल लोगों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए, जितनी मिलनी चाहिए उतनी मिलती नहीं है। दूसरी बात, जो पर्ची होल्डर है, जिनकी जमीन जायी रहती है या उस कंपनी में लगी हुई है, उनको पहले प्राथमिकता के आधार पर काम मिलना चाहिए। दूसरी बात, हमारे गांव जांजगीर जिले जहां से शुरू होता है, मेरा पंचायत वहीं से शुरू होता है और यहां से दूरी 10 किलोमीटर की है, जैसा कि पहले बता दिया हूं। समस्त गाड़ियां आती हैं। मेरे गांव में ऑलरेडी आपको सुनिए, अगर अभी तक 2001 में हमारे गांव का रोड बना था। उस दिनांक से आज तक मेरे गांव में मेरे इस जांजगीर जिले के साइड में अभी तक 23 लोगों की मृत्यु हो चुकी है, जिसमें दुर्भाग्य से 17 लोग मेरे गांव के हैं। उसके बाद शासन प्रशासन काम करती है, उनको राहत मिलता है, उनको मुआवजा मिलता है। वो महत्वपूर्ण नहीं है। महत्वपूर्ण यह है कि वासरी की जो गाड़ियां चलती है, उसकी स्पीड ज्यादा होती है, कोई हेल्पर नहीं होता है। दूसरी बात यह है कि हमारे लोकल लोगों को काम देना चाहिए। देखिए, मेरे एक लोग से कहने से मेरा एक के विरोध करने से वासरी बंद नहीं होगी। मैं भी जानता हूं इस बात को। मैं तो गांव से जुड़ा हूं। मेरा यह मांग है कि जितने भी प्रकार के काम होते हैं, चाहे वो लेबर का काम हो, ठेकेदार का काम हो, ट्रांसपोर्ट का काम हो, जो हम लोगों से बन सकता है, मेरे भाइयों से बन सकता है, मेरे गांववासियों से बन सकता है, चाहे वो भेलाई के हों, बिरगानी के हों, कटरा के हों, कनोरा के हों या बुढ़ान के हों। उससे आगे अगर आप बनेंगे तो जावलपुर के हों, नगपुरा के हों। इन लोगों को लोकल लोगों को काम मिलना चाहिए, उनको प्राथमिकता में रखनी चाहिए और उसके बाद कमाएं धमाएं काम करें वो हमको मतलब नहीं है। हमको काम मिल जाएगा, हमारी घर मिल जाएगी, हमारी रोजी रोटी बन जाएगी। तो मैं न समर्थन कर रहा हूं, न विरोध कर रहा हूं, लेकिन मैं अपना विचार रखने के लिए आप लोगों के समक्ष आया हूं और मेरे द्वारा जो पूर्व में आयोजन माननीय कलेक्टर महोदय, जी को दिया गया है, उस पर

विचार करें और मेरे गांव को सीएसआर मद का लाभ मिलना चाहिए, क्योंकि सभी गाड़ियां मेरे गांव से होकर गुजरती है और अगर मेरे गांव से गाड़ी नहीं गुजरती है तो हवाई रोड से या हवाई के माध्यम से अपना सामान ले जाए। हमारा रोड खराब नहीं होगा, हमारे गांव में प्रदूषण नहीं फैलेगा तो हम लोग कोई सहयोग नहीं मानेंगे। तो हम यह चाहते हैं कि हमारे गांव से जितनी गाड़ियां जाती है, उस हिसाब से हमारा अधिकार बनता है कि हमारे गांव को सीएसआर मद का लाभ मिलना चाहिए। हमारे गांव के विकास के लिए आर्थिक सहयोग की आवश्यकता के साथ हम अपने गांव का विकास कर सकते हैं। ये सब बातें हैं और बातें तो बहुत कुछ है, लेकिन चूंकि आज का यह मंच सिर्फ वासरी के संबंध में है, इसलिए मैं सिर्फ वासरी के लिए अपना विचार व्यक्त कर रहा हूं। जय हिंद, जय भारत, जय छत्तीसगढ़।

108. **श्री कृष्ण कुमार यादव, ग्राम–भेलाई :–** महावीर कोल वासरी में जो भी जितना जमीन निकला हुआ है, वो काम के हकदार है अन्यथा जो गांव में बेराजगार है, उनमें से कम से कम चालीस परसेंट काम मिल जाए।

109. **श्री मनमोहन यादव, ग्राम–भेलाई :–** महावीर कोल वॉशरी को अपना यूनिट का क्षमता बढ़ाना है, अच्छी बात है और काम मिलेगा, लेकिन शासन से मेरा एक छोटा सा अनुरोध है कि हम लोग को ईएसआईसी के लिए थोड़ा लंबा दूर जाना पड़ता है। यहां तीन–चार प्लांट है, अगर यहीं बलौदा में अगर कहीं तरफ सुविधा हो जाता है तो आप लोग की बहुत बड़ी कृपा होगी।

110. **श्री शांतनु कुमार सांडे, पूर्व सरपंच ग्राम–बिरगहनी (ब) :–** महोदय, निवेदन है कि हमारे यहां पर्यावरण जनसुनवाई आज दिनांक 11/02/2026 ग्राम पंचायत भेलाई में है। महावीर कोल वासरी की क्षमता विस्तार का हो रहा है, जिसका मैं समर्थन करता हूं। प्लांट क्षमता बढ़ने से हम ग्राम वासियों को रोजगार मिलेगा, स्वास्थ्य कैंप लगेगा, सीएसआर मद द्वारा पंचायतों का विकास होगा, ग्राम पंचायतों का विकास होगा। सर, यहीं पर मेरा कुछ क्वेश्चन है। इससे पहले कई बार जनसुनवाई हो चुका है, जिसमें हम लोग सरपंच लोग सभी का समर्थन करते–करते आते हैं और हम लोग बोलते हैं सरपंच लोग कि पर्यावरण को विशेष ध्यान दिया जाए और बेरोजगार लड़कों को रोजगार दिलाया जाए, लेकिन आज तक ऐसा नहीं हुआ है सर। इतना डस्ट, इतना मतलब यह से हम लोग परेशान हैं। हम लोग वासरी में जाकर भी बोलते हैं, जीएम को बोलते हैं, उसके कोई अधिकारी को बोलते हैं, कर्मचारी को बोलते हैं कि आप आठ दिन, पंद्रह दिन, महीना दिन में आप एक बार कम से कम स्वास्थ्य चेक करवाइए। ग्राम पंचायत बिरहनी, भेलाई, अचानकपुर, सोनभरीसा, बुड़गहन से लेकर के

सभी को, ऐसा कोई बात को नहीं मानते सर, क्यों? क्यों नहीं माना जाता? जनसुनवाई तो हो रहा है साहब, वासरी तो खुलना ही है। हम कितना भी विरोध करेंगे, उसके बाद भी वासरी खुलेगा, पता है हमको। लेकिन जनता का यहां पर कहां मतलब यह हुआ। जनता का डस्ट से परेशान, सारा चीज से परेशान। गाड़ी इतना ज्यादा रोड में चलता है, हरदी बाजार से लेकर के बुड़गहन, बिरगहनी जितने ग्राम पंचायत पड़ते हैं, महावीर कोल वासरी है, हिंद वासरी है, सभी जगह सर मेरा कहने का मतलब यह है, मैं विरोध नहीं कर रहा हूं। स्वास्थ्य को, पर्यावरण को ध्यान देते हुए, इसमें कंपनी वाले लोग को ध्यान देना चाहिए और दूसरा बात यह है सर, पांच साल मैं सरपंच रहा हूं, 2020 से 2025 तक। सीएसआर मद का मेरे को मिला है कुछ लाभ, वासरी से जैसे बोला हूं मैं, राज मिश्रा भैया है अपना और सारा चीज मतलब ये किए हैं। और छोटा सा बात यह है और मेरा लास्ट शब्द था, बेरोजगार को रोजगार मिलता है, जरूर देते हैं, उसमें 4500, 5000 के आसपास का मतलब नौकरी देते हैं, उसमें क्या घर चलेगा साहब। मैं सुना हूं, देखा हूं, दस हज़ार, बारह हज़ार, पंद्रह हज़ार का अगर नौकरी मिल जाता है बेरोजगार को, तो घर बढ़िया भी चल जाता हम लोग का। बस मेरा इतना ही कहना है। मैं समर्थन कर रहा हूं।

111. **श्री शैलेन्द्र पाण्डेय, छ.ग. मजदूर कल्याण संघ, ग्राम–सिवनी (नैला) :–** आज के क्षेत्रीय पर्यावरण संरक्षण संस्थान मंडल बिलासपुर के आज इस जनसुनवाई में हमारे बीच में ज्ञानेंद्र सिंह ठाकुर साहब, हमारे अपर कलेक्टर महोदय की उपस्थिति में और रश्मि श्रीवास्तव मैडम, क्षेत्रीय कार्यालय बिलासपुर पर्यावरण के अधिकारी की उपस्थिति में, साथ में हमारे अमर नाथ श्याम साहब, तहसीलदार महोदय और सुबह से सुरक्षा व्यवस्था देख रहे हमारे पुलिस के सभी जवान बंधु, यहां आए हुए नागरिक बंधु और सभी अधिकारी, कर्मचारीगण। यह जनसुनवाई हो रही है पर्यावरण की और मैं 11 बजे से देख रहा हूं। लोगों को पर्यावरण संबंधी कोई शिकायत नहीं है। लगभग नगण्य है, कि वासरी लग जाएगी, क्षमता बढ़ जाएगी इनका, आज 0.95 मिलियन टन प्रति वर्ष से बढ़कर के 2.48 मिलियन टन हो जाएगा, तो भूकंप आ जाएगी कि ज्वालामुखी फट जाएगा कि बाढ़ आ जाएगी, ऐसा कोई शिकायत लगभग नगण्य है। शिकायत पर्यावरण संबंधित नहीं है। शिकायत है जिला प्रशासन, वासरी और लोगों के बीच का। ये सीएसआर मद जो है, अभी हमारे छत्तीसगढ़ में 14000 कंपनियां हैं और लगभग सवा चार सौ करोड़ रुपए का सीएसआर मद का लाभ लोगों को मिलता है। समस्या यह आती है कि जहां फरवरी महीना आता है, यूनिट बंद करके, बहाना करके घाटा शो किया जाता है वासरी का या कंपनी का। जितने वासरी है, यह कोल वासरी

है या ये पावर प्लांट वगैरह हैं, इनका एक बड़ी साजिश होती है। यूनिट बंद बताया, आमदनी कम बताया। सीएसआर मद की राशि जो दस परसेंट है कि दो परसेंट अभी तक जिला प्रशासन नहीं बताया। कुल आमदनी का दस परसेंट या दो परसेंट, अभी तक तय नहीं हुआ है। अब समस्या इसमें ये है सर, वासरी को घाटा बताना ऑडिट के समय, बस एक हफ्ता, दस दिन पहले ड्यूटी बंद कर दिए। वासरी घाटे में चल रही है, सीएसआर मद जो कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व जो राशि है वहीं से कड़वाहट शुरू हो जाती है। समस्या ये है पर्यावरण विभाग वाले आदेश करते हैं कि वृक्ष लगाओ। अभी जिले में आदेश हुआ था महावीर वासरी पच्चीस हज़ार वृक्ष लगाएंगे, मड़वा प्लांट हो, स्पंज आयरन हो सभी वासरियों को। कितने वृक्ष लगे है, कितने वृक्ष जिंदा है अभी, शून्य, शून्य। केवल खानापूर्ति करना है, वृक्ष लगा दो, वृक्ष लगा दिए, एक पेड़ कहीं ढूंढ नहीं पाएंगे आप। क्या मतलब ऐसे वृक्षारोपण करने का? आज से राज्य कृषि उत्सव मेला जा शुरू हो गया है। सीएसआर मद की राशि सभी प्लांटों से, सभी वासरियों से अभी जिला में जो नाचगान होगा, आज से शुरू हो गया। एक करोड़ खर्च होगा। वो पैसा कहां से जाता है वासरी से, प्लांटों से तीन दिन शहर के लोग उत्सव मनाएंगे अभी। आएंगे दिल्ली से, मद्रास से, इलाहाबाद से, दुनिया जहां से कवि आएंगे, मुंबई से कलाकार आएंगे। जहां वासरी लगी है, वहां धूल धक्कड़, जहां लोगों को प्रदूषण से प्रॉब्लम हो रही है, वहां क्या मिला उस गांव वालों को कुछ नहीं। वासरी का पैसा कहां लग रहा है, अन्य जगह। अभी सदन यादव जी बता रहे थे कि चांपा में लगा वहां की तालाब गहरीकरण नहीं। क्या इस क्षेत्र में नहीं है तालाब।यहां गहरी करना नहीं होना चाहिए? समस्या यह है, तो बात अभी आ रही है, जिला प्रशासन, वासरी और लोगों की बीच में यह तालमेल के अभाव में ये सारी समस्याएं बन रही हैं सर। मैं बड़ा आंदोलन करने का इच्छुक हूं। अभी तैयारी चल रही है मेरा, इसी बात को लेकर के कि लोगों को लाभ मिले। कृषि कल्याण संघ के तरफ से मांग है मेरा कि ज्यादा मशीन का उपयोग न हो, लोगों को रोजगार मिल जाए, मजदूरों को काम मिल जाए। अभी जो गाड़ियां चल रही हैं, समस्या गाड़ियों की है। अभी बहुत बातें आई हैं गाड़ियों की। ये जितने गांव पड़ते हैं, गाड़ियां चल रही हैं। गाड़ी कोई भूखे नंगे गाड़ी चलेगा नहीं। बड़े बड़े पैसे वालों के पास गाड़ियां हैं। ड्राइवर को बोल दिया गया है तीन ट्रिप लगाओगे और चौथा लगा दोगे तो पाँच सौ रुपये और मिलेंगे भत्ता। तो गाड़ियों की रेस चल रही है रोड में और ये आफादाफी चल रही है रोड में गाड़ियों की। प्रतिदिन जानवर कुचले जा रहे हैं, कहीं आदमी कुचला जा रहा है, कहीं घर कुचला जा रहा है, कहीं खंबे तोड़ रहे हैं, कहीं गाड़ी

पलट रही है और हम जैसे लोग, हमारे क्षेत्र के लोग जान हथेली पर लेकर चल रहे हैं। पीला बात यही है, दर्द वाली बात यही है। जब वासरी बोलती है कि गाड़ी वालों के कहीं एक ट्रक डस्ट डाल दो कि कहीं मिट्टी डाल दो, तो डालने की बोलने का जरूरत नहीं करते। वो पैसे वाले हैं, इसलिए डालते भी नहीं हैं। मरता कौन है इसमें मैं गांव में रहता हूं, सिवनी में नौ लोग कुचले गए, दसवां कुचला गया। पुलिस को आगे करके मेरे को जेल में डाल दिया गया। दस लोग हम लोग जेल गए, एक हफ्ता जेल में थे। मामला चल रहा है मेरा। अपराध क्या था? शाम के समय गाड़ी में कुचला गया। आई विटनेस वहां पर थे। गाड़ी का नंबर नोट किया गया। गाड़ी आधे घंटे तक खड़ी रही। ना उसको गाड़ी को रोका गया, ना गाड़ी को जब्त की गई और ना रिपोर्ट दर्ज किया गया। दूसरे दिन आठ बजे पूरे गांव के लोग सड़क पे आ गए। मांग क्या थी सर मैं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में काम कर रहा था। मैं जज के साहब के कहने पर वहां मामला शांत कराने गया था। मांग क्या थी पच्चीस हज़ार जो सड़क में निधन हो गया है उसको सहायता दे दो। गाड़ी का रिपोर्ट दर्ज कर लो और लाश को दे दो, डेड बॉडी को। अठारह घंटे तक ना तो रिपोर्ट दर्ज हुआ, ना डेड बॉडी दी गई, ना राशि दी गई। गांव के पूरे सड़क में थे। मैं राजीनामा कराकर के पच्चीस हज़ार देने के व्यवस्था कराया। लाश लेकर आने वाले थे और इसी बीच में वहीं पर देहाती एफआईआर कर एफआईआर वहां नहीं हुआ। ऑन द स्पॉट सड़क पर देहाती एफआईआर कर दिया। किसी ने बदतमीजी कर दी पुलिस विभाग वालों से, अंदर हो गया शैलेंद पाण्डेय। मैं विधि सेवा प्राधिकार में काम कर रहा था, नैला, बलौदा और पंतौरा थाना देख रहा था। मैं अपराधी हो गया। मांग क्या थी? गरीब का लाश दे दो। तो पुलिस प्रशासन को आगे करके वासरी वाले जेल भिजवा दिए और जेल जाने से एक बात हुई है सर, कॉन्फिडेंस मेरा सौ गुना बढ़ गया है। मैं एक हज़ार बार जेल जाऊंगा, गरीब मजदूरों के लिए जेल जाऊंगा सर। अन्याय के खिलाफ लड़ूंगा और जेल मुझे, जेल का डर नहीं है मेरे को अब। अन्याय ना हो, गरीब को, गरीब को शोषण ना हो। काम बहुत होना है, काम नहीं हो पाता है। सीएसआर मद की कोई हिसाब नहीं है कि कितना एक कंपनी को कमाई हुआ, कितने परसेंट वहां लगना है, किस गांव में लगना है कोई कहता है कि आसपास के गांव को लगाना है। मैं कलेक्टर महोदय से बात किया, बोले चौदह किलोमीटर के एरिया में लगाना है। यह भी फिक्स नहीं है, तय नहीं है और कारण यह है कि बेहतर तालमेल हमारा नहीं है। ग्रामीण वाले दूसरे सोचते हैं, जिला प्रशासन दूसरा सोचता है। वासरी वाले हाथ खड़ा कर देते हैं। भाई अब जिला प्रशासन तय करेगा कि किस

गांव में क्या काम होगा। समस्या यहीं पर है सर. आप प्रशासन के बड़े अधिकारी यहां बैठे हैं। समस्याएं यही हैं। वासरी से शिकायत नहीं है। वासरी में काम अधिक लोगों को मिले, क्षेत्रीय लोगों को मिले। श्रमिक का जहां काम है, श्रमिकों से काम कराई जाए, मशीन से काम ना कराया जाए और ये जो ओवर ओवरलोड गाड़ियां जो दौड़ रही है सड़क पे, उस गाड़ी पे कंट्रोल किया जाए सर। बड़ी बड़ी गाड़ियां दौड़ रही हैं। स्कूल में बच्चे पढ़ने आते हैं, मेरे गांव में कम से कम पंद्रह सौ बच्चे पढ़ते हैं। कई बार जिला प्रशासन हमारे सिंह साहब बैठे हैं ठाकुर साहब, उनसे भी मुलाकात हुआ कि ट्रैफिक के नियम का पालन हो। आपका जो समय है आने जाने गाड़ी का, उसको कंट्रोल किया जाए साहब। ये व्यवस्था किए फिर भी वासरी की गाड़ी मानती नहीं है। मैं पर्टिकुलरली महावीर की बात नहीं कर रहा हूं। जितनी गाड़ियां चल रही हैं, जितने भी गाड़ियां हैं, सब गाड़ियों की स्थिति है। हर बार सामने आओगे तो निशाने पर शैलेन्द्र पांडे। पुलिस विभाग की नजर में शैलेन्द्र पांडे बदमाश है। वासरी वालों की नजर में शैलेन्द्र पांडे बदमाश है, वहां से बदमाश है तो ये एक लेबल लग जाता है। सर्टिफिकेट नहीं लगता। खैर मैं किसी के कैरेक्टर सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है मेरे को। मैं अपना मूल्यांकन स्वयं करता हूं। मैं शिक्षक का लड़का हूं सर, जीवन में कोई अपराध नहीं किया, मेरा कहीं मामला नहीं था और जिला सत्र न्यायाधीश के कमेटी में जब मेरा इंटरव्यू हुआ तो मेरे को फाइल किया गया और जनता के हित के लिए मैं मेरे जो कपड़े देख रहे हैं आप, ये ईमानदारी का है, नहीं तो मैं भी 25 लाख की गाड़ी में चलता। ये कोयला का जो काम हो रहा है, करोड़ों का काम है सर, करोड़ों का। ऐसा नहीं है कितनी गाड़ियां कोयला से निकलती है, कोरबा से कितने का स्टैंगिंग होती, कितने का सेलिंग होती और एक ट्रिप गाड़ी में चालीस हज़ार, पैंतालीस हज़ार रुपए रॉयल्टी बनता है। आज तक कभी आपने सुना है कि माइनिंग वालों ने गाड़ियां पकड़ी हो। कभी सुना है, कभी गाड़ी चेकिंग हुई है, कभी रॉयल्टी चेकिंग हुई है, नहीं होगा। ट्रैक्टर में कोई घर बनाने के लिए रेती ला रहा है तो उसके गाड़ी को रोक देगें। अखबार में आता है, गाड़ी पकड़ी गई, अवैध रूप से रेती लाया जा रहा है, जप्ती करों, यही हो रहा है। राहुल गांधी एक दिन बोल रहे थे टीवी में गरीब गरीब हो रहा है, अमीर अमीर हो रहा है, इसका कारण बताऊं मैं कारण यह है सर कि गरीब गरीब का पैर काट रहा है। दो दिन गाड़ी में हेल्परी किए, तीसरा दिन ड्राइवर बन जाता है। एक दस हज़ार में ड्राइवर काम करता है ना, वो आठ हजार में काम करने को तैयार है। बनिया लात मार के निकाल देता है। कल आठ में मेरे करने वाला आ गया। तम जाओ, वासरी में जो पेमेंट मिल रहा है ना,

उससे भी कम में काम करने को तैयार है। बोलोगे यहां समर्थन में पैसा मिला है, विरोध करोगे तो पैसा नहीं मिला है। ये स्थिति है तो हम आपस में ही लड़ रहे हैं सर। हममें अगर तालमेल हो जाए, हम अगर मिलकर के काम करें, वासरी और जिला प्रशासन में बेहतर तालमेल हो जाए तो कोई शिकायत नहीं आएगी और ये जो जनसुनवाई हो रही है, अभी ये 0.95 मिलियन टन प्रति वर्ष से बढ़ करके 2.48 मिलियन टन प्रति वर्ष होना है। यह एक सामान्य प्रक्रिया है। यह कानूनी प्रक्रिया है। जब मीटर लगाते हैं, घर में ना तो बताना पड़ता है कि चार हमारे सीलिंग फैन जलेंगे, एक कूलर चलेगा, एक वाशिंग मशीन चलेगी। इस तरह से देते हैं, तो उसमें किलोवाट तय होता है। एक किलोवाट एवरेज बिल तय हो जाता है। क्षमता बढ़ रही है। क्षमता तो बढ़ गई है। अब उसको वैध करना है कि भाई हम इस समय लगाए थे अनुमानित हमने बताया था कि हमारा 0.95 मिलियन टन प्रति वर्ष रहेगा, क्षमता बढ़ गई हमारी, हमारे स्टॉक की जगह बढ़ गए हैं और हम कोल वाशरी में ज्यादा माल अच्छे से धन से हम कोल करके बेच सकते हैं। तो यह एक कानूनी प्रक्रिया है। इसकी प्रक्रिया होने से सरकार को रेवेन्यू मिलेगी। एक डेट शल्क का होता है। वासरी के बंद होने के स्थिति में या बंद होने पर जो डेड का शुल्क है, वह निर्धारित हो जाएगा इसे बढ़ने से, यह फायदा है गोवर्नमेंट को रेवेन्यू बढ़ेगी, डेड शुल्क की राशि बढ़ेगी और पर्यावरण से संबंधित बात है तो पर्यावरण संबंधी अभी तक के किसी प्रकार की कोई शिकायत नहीं आई है। मेरा निवेदन यह है कि क्षमता तो बढ़ रही है वासरी का और क्षमता बढ़ने से काम बढ़ना चाहिए सर, काम दिखना चाहिए। ढाई गुना बढ़ रही तो ढाई गुना कम से कम लेबर लोगों को या वर्कर लोगों को काम मिलना चाहिए, मानवता के नाते मिलना चाहिए और एक बात और बोलकर के वाणी को विराम दूंगा। ज्यादा समय नहीं दूंगा, क्योंकि एक मांग है सर सिंह साहब, आप यहां बड़े अधिकारी हैं, यहां बैठे हैं, मैं आपसे मिलूंगा। जिला प्रशासन का मामला है, इसके लिए थोड़ा समय मेरे को देंगे। इस सड़क पर चलने वाले जो लोग हैं सर, आप पर डे देखते हैं कि ट्रक में कोई ना कोई कुचला जाता है। दुर्भाग्य की बात है कि मोदी सरकार योजना चला रही है। प्रधानमंत्री ज्योति बीमा योजना। अठारह साल से पचास साल की उम्र के व्यक्ति को तीन सौ तीस रुपए में दो लाख का बीमा बीमा हो जाता है और दूसरा है प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जिसमें बीस रुपए प्रति वर्ष यह बीमा है। पहले तो वासरी वालों को निर्देश कर दें कि आप अपने कर्मचारियों का बीमा कराएं या कंपनी दे या फिर वर्कर लोग अपना बीमा कराएं, क्योंकि अभी जन धन खाता खुला है छत्तीसगढ़ में, पूरे देश में सड़सठ करोड़ लोगों खाता है तो एक

बार बीमा सबका हो जाए वर्कर लोगों का। उसके बाद गांव–गांव में शिविर लगाई जाए। बीस रुपये में अठारह साल से सत्तर साल तक के लोगों का बीमा हो जाता है, दो लाख का बीमा कवर हो जाएगा। एक बार वासरी अगर ये खर्च वहन कर ले और एक हज़ार लोगों का करोगे तो कितना खर्च आएगा बीस हज़ार, दस हज़ार लोगों का एक वासरी कवर कर ले तो दो लाख रुपये खर्च आयेगा सर, और ये सीएसआर मद को बंद करके लोगों का बीमा करा दीजिए। मैं मांग करूंगा और मांग अगर नहीं मानी गई तो लोगों को सड़क पर लेकर के बैठूंगा। बीमा कवर हो जाए सर सबका, एक बार बीमा कवर करवा दीजिएगा, उसके बाद उसके खाते में पैसे कट जाएंगे और सबका बीमा हो जाएगा सर। मरने वाला मर जाता है, तकलीफ ही होती है कुछ तो काम करने के लिए पैसा नहीं मिलता। चार लाख कम कम बीमा हो जाएगा। उस पीड़ित परिवार को चार लाख मिल जाएंगे। तो ये गांव कन्हईबंद से लेकर के जहां गंगा जी निकली है और यहां गंगा जी का विलय होता है, समुद्र में वहां तक की गांवों को इसमें कवर करना पड़ेगा सर। बीमा अनिवार्य कराई जाए, आपका एक लेटर जाना जाएगा। कंपनी वाले काम कर देंगे सर, लोगों को बीमा कवर मिले और बस दो शायरी बोलकर अपनी वाणी को विराम करता हूं।

''अरे मंजिलें उनको नहीं मिलती। याद रखिएगा, मंजिलें उनको नहीं मिलती जो जीते हैं सपनों के सहारे और प्यासे तो भीरा जाते हैं, जो बैठे हैं दरिया किनारे। मंजिलें उनको मिलती है, जिनके इरादों में जान होती है और पंख होने से कुछ नहीं होता, होसले में उड़ान होती है'' होसला बनाए रखिएगा आप लोग। ''अरे रख होसला बुलंद, अरे रख होसला बुलंद और मंजिल भी आएगा और प्यासे के पास चल के वो समंदर भी आएगा। थक के ना बैठ ऐ मंजिल के मुसाफिर, मंजिल भी मिलेगी और मजा भी आएगा।'' बस एक बात करके अपनी वाणी को विराम दूंगा सर। ये वासरी चल रही है। एक शख्स है, इस वासरी में उनका नाम है राज मिश्रा, जो बेहतर तालमेल बनाकर के गांव वालों से, वासरी से, प्रशासन से वो बेहतर बनाकर के बेहतर संबंध बनाकर के वासरी का संचालन कर रहे हैं सर। और लोगों में शांति बनाए रखने में उनका बहुत बड़ा योगदान है। मैं विनोद जैन जैन साहब, जो वासरी के मालिक हैं, उनसे कहूंगा कि उनको वित्तीय अधिकार प्रदान किया जाए। एक लाख डेढ़ लाख खर्च करने का वित्तीय अधिकार उनके पास रहे, क्योंकि गाड़ियां चल रही हैं। कई दिन जानवर कुचला जाता है, लोग सड़क पर आ जाते हैं, मुआवजा की मांग करती हैं और मिलेगा, कंपनी से देंगे, ये ऐसी बात न रहे, कि लोग कुचले जाते हैं। सड़क में घटना घट जाती है, लोग सड़क पर आ जाते हैं। पच्चीस पचास हज़ार एक लाख

रुपये मुआवजा देने की क्षमता उनके पास रहे। जैन साहब रहते हैं बिलासपुर में कि मुंबई में समस्या आती है यहां, तो मैं माइक के माध्यम से और हमारे वासरी वालों से बोलूंगा कि राज मिश्रा साहब को वित्तीय अधिकार फंड दिया जाए। फंड रहे उसके पास लोगों से बेहतर तालमेल बनाकर के वो चल रहे हैं। इसलिए वासरी चल रही है। शिकायतें बहुत हैं, सबकी शिकायतें हैं, लेकिन एक केवल एक केवल एक राज मिश्रा जी है जो सबको संभाल के चल रहे हैं। कब तक संभालता है, ये भविष्य बताएगा सर, लेकिन यही बात कहना था मेरे को और पर्यावरण के संबंध में बता दूं, मैं पर्यावरण संबंधित कोई प्रकार की कोई शिकायत लगभग नहीं आई, नगण्य है। वासरी का आप क्षमता बढ़ाइए। 0.95 मिलियन टन प्रति वर्ष से बढ़ा करके 2.48 मिलियन टन किया जाए। लोगों को रोजी रोजगार और मिल जाएगी और बढ़ जाएगा, काम बढ़ जाएगी, लोगों को कुछ लाभ मिल जाएगा। जहां वासरी नहीं है, जहां प्लांट नहीं है सर, वहां की जो लोगों को जो तकलीफ है, मैं वासरी वालों से कहूंगा कि एकात वासरी और लगाएं इधर, ताकि कम से कम लोगों को रोजी रोजी रोजगार मिले। और सिंह साहब, मैं मिलूंगा आपसे लेटर के साथ अपने जिला के लेटर पैड से। ये बीमा वाली जो बात बोला हूं पर आप बहुत गंभीरता से ध्यान देते हुए लोगों को बीमा कवर कराई जाए और ज्यादा कुछ नहीं बोलना है। एक शायरी और बोल देता हूं। एक बढ़िया शायरी बोलकर वाणी विराम दूंगा। तो बोलने वाला नहीं है सर। अब आप लोग आराम से बैठे रहिए। कोई टेंशन नहीं है। वासरी वाले आप लोगों का पूरा ख्याल कर रहे हैं। हमारे पांडे सर बैठे हैं, इधर सब लगे हैं तो बस यही बात बोलना है मेरे को। ''अरे वक्त को जिसने नहीं समझा, अरे वक्त को जिसने नहीं समझा, उसको मिटना पड़ा है। बच गया तलवार से तो फूलों से कटना पड़ा है। क्यों न कितनी लंबी हो, क्यों न कितनी कठिन हो, हर नदी की राह से चट्टान को हटना पड़ा है। हर नदी की राह से चट्टान को हटना पड़ा है।'' हौसला बनाकर रखिए आप लोग, मांगे मानेगी प्रशासन। हम दमदारी के साथ एक एकता बनाकर रखें और जेल जाने की भय को निकाल दें। अच्छा काम करेंगे, नेक काम करेंगे, लोगों को लेकर चलेंगे सर और बेहतर तालमेल के साथ कोई टकराव न हो। आपसी भाईचारा हमारा बना रहे और वासरी भी हमारा दुख दर्द को समझे और यही कहकर के मैं इस झर्राडीह के भिलाई में आज आयोजित पर्यावरण से संबंधित जो जनसुनवाई है, उसका मैं पूरा समर्थन करता हूं। पर्यावरण संबंधित कोई शिकायत नहीं है। लोगों की नगण्य शिकायत रही होगी, लेकिन मैं तो सुबह से देख रहा हूं। इसका पूरा समर्थन है। यही कहकर अपनी वाणी को विराम देता हूं।

112. **श्री जगदीश जाटवर, ग्राम–बिरगहनी :–** मैं तो यह समझ नहीं पाता सर, आप समझ रहे हैं क्योंकि जिला के कलेक्टर हैं। आपको सारी चीजें जितने लोग समर्थन में, नहीं समर्थन में जहां भी बोल रहे हैं, हमसे बेहतर आप समझते हैं और हम उसके लिए विरोध करूं कि समर्थन करूं, ये समझ से बाहर है, लेकिन मैं भी समर्थन करता हूं। जितने आसपास के ग्राम हैं, डस्ट के बारे में, सीएसआर के बारे में। मैं भी सरपंच रहा हूं, चार बार सरपंच रहा हूं, जनपद में रहा हूं और उसके पहले मैं प्रतिनिधि केरूप में लोगों के सामने काम किया हूं। हकीकत तो यह है, कुछ लोगों को काम है, काम बेहतर चल रहा है। हम उनके एहसान में दबे हुये हैं, यह पहली बात है। जिस पर इसके बारे में कुछ नहीं बोलते। मैं अलग से हटकर बोल रहा हूं। गांव में कोई गांव के आदमी व्यक्ति खतम होता है तो वासरी प्रबंधन को फोन करते है, उनको जमीन खोदना है, उसको दफनाना है, जेसीबी भेज दो। कोयले में जलाने की आवश्यकता हो तो बोलते हैं कि कोयला भिजवा दो, लकड़ी की व्यवस्था करवा दो सारे व्यवस्था हम उनसे करवाते हैं, तो हम तो उनके एहसान में दबे हुये हैं और हम जो कहेंगे यहां पर इसको वासरी को खोलना नहीं है, उसकी क्षमता को बढ़ाना नहीं है। हर व्यापारी चाहता है अपनी क्षमता को बढ़ाने के लिए, अपने पैसा को बढ़ाने के लिए और सरकार तो पूरे छत्तीसगढ़ को भी आदिवासी गवर्नमेंट होकर आदिवासियों की जमीन बेच रहा है, तो इसमें कौन कौन देखता है जनता की बात को। अब आप ज्यादा समझेंगे, विरोध करूं, क्या बोलूं बोलने तो सुबह से शाम तक बोलता रहता हूं। मैं भी पढ़ा लिखा हूं, बीएससी किया हुआ हूं, सन 1976–77 में और इतना पद देखता हूं। लेकिन सब लोगों से एक 76–77 साल की उम्र भी हो गई। लोगों के साथ रहकर, लोगों को देखकर कुछ हुआ, इसलिए हम ज्यादा बोलना भी पसंद नापसंद कर रहा हूं। मैं मेरा समर्थन है वो कोल वासरी खोले, वो शैलेन्द्र पांडे जी जो कह रहे थे, आप तो सारे को समझ गए। इसको दोहराना है या सरपंच लोग कहे, सब लोग बोले हैं, उसको दोहराने की आवश्यकता है। वो आपके कलम पे, आपके दिमाग पे है। आप जनता के हम जन से हैं, जनता के नुमाइंदे हैं। आप तो इसको समझना समझना है कि ये कोल वासरी कहने से किसी कोल वासरी रूकेगा नहीं। कोल वासरी होगी और मैं भी हाथ उठा के कहता हूं कोल वासी का समर्थन कर रहा हूं, क्योंकि मेरे एक के कहने से रुकने वाला नहीं है। सब स्वार्थ की बातें करते हैं, जिसकी स्वार्थ पूरी नहीं होती, वह स्वार्थ में मिला के कहता है, यह दुनिया स्वार्थी है और स्वार्थ की कभी इच्छा पूरा नहीं होता। बस इतने कहने में समर्थन करता हूं।

113. **श्री पुरूषोत्तम यादव, जांजगीर–चांपा गौसेवा जिला अध्यक्ष :–** महावीर कोल वासरी के खुलने से तो कोई दिक्कत नहीं है। दिक्कत तो इस बात की है कि इस क्षेत्र के ओव्हर लोड गाड़ी में लगातार ड्राइवर लोग दारू पीकर गाड़ी चला रहे हैं। मेरा एक निवेदन है कि इनके ऊपर पुलिस प्रशासन द्वारा अंकुश लगाया जाए। आज हमारे रोड में गौ माता बैठे हैं। गौ माता को उनके ऊपर गाड़ी लगाकर ठोक दे रहे हैं। उनके ऊपर तत्काल प्रतिबंध लगा दें। ऐसी कोई भी घटना न हो, जो हमारी गौ माता को नुकसान हो और मैं कोल वासरी के समर्थन में हूं।

114. **श्री दिलीप कुमार बंजारे, ग्राम– बुड़गहन :–** महावीर कोल वासरी समर्थन कर रहे हैं।

115. **श्री मुकेश कुमार कुर्मी, ग्राम–झर्राडीह भेलाई बलौदा :–** सर, हम लोग ना गरीब वर्ग के बेरोजगार युवक हैं सर, अपनी ओर से हम आपसे प्रार्थना करते हैं सर, कि हम लोगों को आपकी प्लांट में कुछ काम मिल जाता ना तो बहुत–बहुत कृपा होती। हम लोग आपकी जो यह क्षमता विस्तार का जनसुनवाई है, उसे हम लोग एक स्वर में हां सुनिश्चित करते हैं सर, लेकिन आप लोगों से रिक्वेस्ट है कि हम लोग जो बेरोजगार हैं, उनको आपकी प्लांट में काम देने की कृपा करें।

116. **श्री चूड़ामणी राठौर, जनपद पंचायत बलौदा, सभापति, संचार :–** मेसर्स महावीर कोलवासरी प्राइवेट लिमिटेड यूनिट–1, जिसका आज विस्तारक जनसुनवाई यहां संपादित हो रहा है। मंच पर आसीन जिला प्रशासन के सम्मानित कलेक्टर साहब ठाकुर जी और पर्यावरण विभाग से आयी मैडम, समस्त अधिकारी कर्मचारीगण, कोल वासरी क्षेत्र के विकास के लिए या क्षेत्र के विनाश के लिए, इस बात को मैं तो बड़े दुख के साथ यह बात कहना चाहता हूं। जनपद पंचायत बलौदा के सम्मानित उपाध्यक्ष जी खड़े हैं। सम्मानित सभी हमारे सदस्य हैं और मैं चुड़ामुनि राठौर, जनपद पंचायत के संचार एवं संकल्प स्थायी समिति का सभापति हूं। अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है, जिस बलौदा जनपद पंचायत क्षेत्र में यह विस्तार की जनसुनवाई हो रही है, हम लोगों को किसी भी माध्यम से न मौखिक, न लिखित कहीं सूचना नहीं दी गई है। उसके बाद भी हमारे ही क्षेत्र में जनसुनवाई रखा गया है, इससे बड़ी शर्म की बात नहीं है। क्षेत्र के जितने भी जन प्रतिनिधि हैं, जनता चुनाव में जब वोट डालती है तो एक आदमी जीतता है और एक से अधिक होने पर वह हारता है, लेकिन जनता उसको ही वोट देती है। बहुत शर्म के साथ मैं यहां इस बात को कहना चाह रहा हूं कि क्षेत्र में पंच से लेकर सांसद तक जो जनप्रतिनिधि हैं, उनकी उपस्थिति यहां नहीं है। कहने का मतलब यह है कि शासन और प्रशासन, शासन मतलब पंच से लेकर सांसद, मंत्री, विधायक तक, प्रशासन के मतलब कोटवार से

लेकर कलेक्टर तक, हम अपने जमीन को बेचकर यहां जनसुनवाई कर रहे हैं। आपको भी मालूम है, हमको भी मालूम है, जनप्रतिनिधि होने के नाते कि एक छोटा सा कोल वासरी चलने के कारण परसों या नर्सो में समाचार पत्रों में पढ़ा हूं, जिला चिकित्सालय का रिपोर्ट, 123 व्यक्ति कैंसर से ग्रसित हैं। क्या उसका कारण सिर्फ दारू और तंबाकू है, ये कोल वासरी का प्रदूषण नहीं है। मैं दावे के साथ कहता हूं कि जो जिला में कैंसर, टीबी, यह सब प्रदूषण से होने वाली बीमारियों का जो संख्या बढ़ रही है, वह कोलवासरी के प्रदूषण के कारण है तमाम जो प्लांट हैं, उनके प्रदूषण के कारण है। आप बलौदा से जब जांजगीर जाएंगे, आप बाइक में चलिए, फोर व्हीलर में चलने वालों को कहीं कोई परेशानी नहीं। लेकिन जो बाइक में, पैदल, साइकिल में जो गरीब बलौदा से जांजगीर तक अपना सफर करता है, उससे पूछिए कि वो बलौदा से जांजगीर जाता है या जांजगीर से बलौदा आता है, तो उसकी क्या स्थिति रहती है। आप मंच पर बैठे हैं, आपसे ही मेरा मांग है। कोल वासरी खुला हुआ है। इसके विस्तार करने से अभी जो छोटे रूप में है, उसमें कितना जनहानि हो रहा है, वो आपके सामने है। आपके पास तो रिकॉर्ड है, इसके विस्तार के बाद यह दुर्घटना और कितना बढ़ेगा, यह आप महसूस कर सकते हैं। मैं पूरे जनपद पंचायत बलौदा की ओर से मेरे साथी यहां खड़े हैं, हमारे जनपद उपाध्यक्ष जी हैं, बाकी सदस्य हैं। आपसे हाथ जोड़कर निवेदन करता हूं कि हम अपने स्वार्थ को पूरा करने के लिए आंख मूंदकर इस जनसुनवाई को समर्थन न करें। हमारा दायित्व बनता है, जिस जनता ने हमें जवाबदारी दी है, आपको प्रशासन के तौर पर, हमको जन प्रतिनिधि के तौर पर, तो इनकी जो समस्या है उनको हमको पूरा करना चाहिए। मैं नौकरी के बारे में बात नहीं करूंगा। नौकरी के लिए एक क्षमता होता है। किसी भी प्लांट में उससे ज्यादा वो नौकरी नहीं दे सकता। मैं बात करूंगा पर्यावरण के बारे में। पर्यावरण से आमजन को और आम मानव जाति को छोड़कर पशु, पक्षी और बहुत से प्राणी हैं। परमपिता परमेश्वर ने सबको जीवन दान दिया है, जीवन दिया है। उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी आपकी और हमारी है। तो आज आप से मै इस मंच के माध्यम से आश्वासन चाहता हूं सर, यह समुचित व्यवस्था आप कैसे करेंगे। रोड टूटी–फूटी है, धूल से भरा हुआ है, गाड़ी जब जाती है ओवरलोड जाती है, उसमें तिरपाल ढंकने का एक नियम है, आप लोग बनाए हैं, एक दो गाड़ी में तिरपाल ढका हुआ मिल जाता है। उसको फोटो खींच के हम लोग पेपर में डाल देते हैं। बाकी गाड़ियाँ तो देखिए, अगर आप चुस्त होकर, दुरुस्त होकर जनता के हित में अगर व्यवस्था देते हैं तो कोल वासरी खोलने में हमको आपत्ति नहीं। लेकिन जनहित के खिलाफ अपनी जमीन को बेचकर अगर

हम जनसुनवाई का समर्थन करेंगे तो यह हमसे होगा नहीं और इससे बड़ा हमारे हमको पाप लगेगा ही नहीं। हम सब के ऊपर जिन्होंने हमको जीवन दिया है, वह बैठा है कि हम किसी के जीवन से खिलवाड़ करें तो हमारा जीवन सुरक्षित होगा नहीं, इस बात को आप सब समझ लें। मैं बहुत अफसोस के साथ इस बात को बार बार बोल रहा हूं कि क्षेत्र के जनप्रतिनिधि आज यहां उपस्थित नहीं है। इससे बड़ी शर्म की बात नहीं है, चाहे वह किसी भी पार्टी के हो, मैं भी किसी पार्टी से हूं, लेकिन सबसे पहले मैं एक इंसान हूं। इंसान के बारे में सोचना, पर्यावरण के बारे में सोचना मेरी पहली प्राथमिकता है। मुझे क्या पनिश मिलेगा, उससे मुझे कोई मतलब नहीं है। मुझे ऊपर से पनिश ना मिले, इस बात की मुझे चिंता है। इसलिए मैं आपसे हाथ जोड़कर पूरे जनपद पंचायत के जन प्रतिनिधियों की ओर से निवेदन करता हूं कि आप महावीर कोल वासरी के विस्तार को बिल्कुल समर्थन या अनुमति दे सकते हैं, लेकिन उसके पहले आपसे हम लिखित में आश्वासन चाहते हैं कि जो तमाम पर्यावरण से संबंधित, सुरक्षा से संबंधित जो बात है, उसको आज आप यहां हमें लिखित में दे कर जायें। ऐसा मैं आपसे निवेदन करता हूं। आगे हमारे उपाध्याय जी हैं। मैं सादर निवेदन करूंगा कि आप भी अपनी बात को यहां रख सकते हैं। अब सबको प्रणाम करते हुए वाणी को विराम देता हूं। व्यक्तिगत रूप से मैं इस जनसुनवाई का विरोध करता हूं। ना एक ग्रामसभा हुआ है, ना कहीं पंचायत के जनप्रतिनिधियों को सूचना दिया गया है और अगर यहां विधायक, पूर्व विधायक, अन्य जनप्रतिनिधि, सांसद यहां नहीं है तो मेरा मानना है, उनको भी सूचना नहीं दिया गया है, इसलिए वह आज अनुपस्थित हैं। मेरा यह आरोप है।

117. **श्री शिशुपाल सिंह राजपूत, उपाध्यक्ष, जनपद पंचायत बलौदाः–** बेहद ही अफसोस का विषय है हमारे जनपद पंचायत क्षेत्र में आज महावीर कोल वासरी यूनिट का विस्तारीकरण का यह कार्यक्रम है। इसमें हमारे जनपद से किसी प्रकार की अधिकारियों के द्वारा सूचना दिया गया है और हमारे जनपद सदस्य लोगों को किसी प्रकार सूचना दिया गया है। यह बेहद अफसोस की बात है और जिला प्रशासन के बैठे एडीएम साहब से मेरा अनुरोध है कि पुनः इस प्रकार की पुनरावृत्ति ना हो, इसका ध्यान रखें। आरओ मैडम से भी अनुरोध है कि किसी भी प्रकार की छोटी या मोटी जनसुनवाई होती है, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि को इसकी जानकारी दी जाए। ताकि वे अगर समर्थन है तो समर्थन करें, विरोध और विरोध करेंगे। जैसे कि आप सभी जानते हैं, विकास का कोई विरोध नहीं करता, लेकिन विकास विनाश के रूप में आए तो विकास विकास नहीं होता। ऐसे कोई भी कार्य विकास नहीं होना चाहिए, जिससे आम

जनता को समस्या हो। अगर आम जनता को समस्या हो रही है तो निश्चित ही जिला प्रशासन की जिम्मेदारी बनती है। क्योंकि यह जनसुनवाई एक दिन की होती है। लेकिन आप हम सभी जानते हैं यहां जो जनसुनवाई हो रही है, इसका रिकॉर्ड हो रहा है। आप स्वयं उपस्थित हैं, आप सक्षम अधिकारी हैं जिन शर्तों पर यह जनसुनवाई हो रही है और जिन शर्तों पर आप लोग समर्थन कर रहे हैं, उन शर्तों का शत–प्रतिशत पालन होना चाहिए। जैसे कि रोजगार में अभी हमारे पूर्व वक्ताओं ने बताया चार हज़ार पांच हज़ार रुपए महीने में लोगों को रखा जाता है। मेरे प्रशासन से अनुरोध है कि उनको पूर्णकालिक वेतन और परमानेंट नौकरी दिया जाए। जो क्षेत्र प्रभावित है, उस क्षेत्र में ही सीएसआर मद का पैसा खर्च हो। जिला प्रशासन डिसाइड ना करें कि पैसा कहां जाए, कहां पे जाए। यह जनपद क्षेत्र का अधिकार है। जनपद में इस पैसे का सीएसआर का और जनपद से भी जिस क्षेत्र में प्रभावित हो रहा है, जो क्षेत्र प्रभावित है, जो उसका दुख दर्द झेल रहे हैं, उसी जगह में सीएसआर मद का पैसा खर्च होना चाहिए। इतनी बात कहकर मैं अपना वाणी विराम देता हूं।

118. **श्री रोशन कुमार पटेल, सभापति, कृषि स्थायी समिति, जनपद पंचायत बलौदा :–** मैं बहुत ही अनुरोध पूर्वक आपसे निवेदन करता हूं, जैसा कि हमारे चाचा जी ने बताया कि हम भी चाहते हैं क्योंकि विकास का कोई विरोध नहीं करता और विकास होना भी चाहिए। लेकिन विकास भैया ने बताया कि विकास विनाश के रूप में न हो। आप सभी जानते हैं कि आज अत्यधिक रूप में हमारे क्षेत्र में गाड़ी चलती है और अभी कुछ 10 से 15 दिनों के भीतर ऐसा कोई दिन न गया है, जिस दिन एक्सीडेंट के रूप में आकस्मिक घटना न हुई हो, तो हम चाहते हैं इन वाहन के ऊपर आप थोड़ा सा प्रशासन से निवेदन है कि थोड़ा लगाम लगाएं और हमें खेद है कि हम चाहते हैं हमारे क्षेत्र में अगर कभी भी ऐसा शिविर रखा जाता है, कोलवासरी द्वारा हो, चाहे शासन द्वारा हो, प्रशासन द्वारा हो, तो हम अनुरोध करते हैं कि हमारे सभी जनप्रतिनिधि को एक बार सूचना जरूर दिया जाए। जैसा कि मैं बताना चाहूंगा कि हमारे इस खाद्य एवं उद्योग सभापति जो जनपद पंचायत के हैं, उनको तक भी एक सूचना नहीं दी गई है, जबकि उन्हीं के विभाग के सदस्य भी होते हैं। तो इसके लिए मैं निराशाजनक बोलना चाहूंगा कि यह तो सही नहीं है, लेकिन आपसे अनुरोध करूंगा कि आगामी में ऐसा न हो और सभी जनप्रतिनिधियों को सूचित किया जाए।

119. **श्री अश्वनी कुमार दिनकर, सभापति, स्वास्थ्य और स्वच्छता विभाग, जनपद पंचायत बलौदा :–** चूंकि महावीर कोल वासरी लगभग मेरे ही क्षेत्र से मिला जुला है और बहुत, बहुत ही ज्यादा खेद की बात है कि वासरी प्रबंधक के द्वारा हमको सूचना नहीं

दिया गया है, तो इसके लिए बहुत ज्यादा नाराजगी है और चूंकि हमारे बड़े भैया, सभापति जनपद पंचायत बलौदा, चुड़ामणि राठौर जी के द्वारा जो बोला गया है, उसका मैं समर्थन करता हूं। चूंकि हम लोग वो क्षेत्र जो है, इस रोड में तीन वासरी है, दो हिंद वासरी है, एक महावीर वासरी है। किसी भी वासरी के द्वारा हम लोग को किसी भी चीज का सुविधा दिया भी नहीं जाता है और हम ही लोग से हमारे ही पीछे हम लोग बढ़ते जा रहे हैं। उसके बावजूद भी अगर कुछ काम के लिए हम लोग जाते हैं, वहां तो हमारा कोई सहयोग नहीं किया जाता है। बोल दिया जाता है कि हो जाएगा, लेकिन होता कुछ नहीं है। तो शासन से मेरा निवेदन है कि देखिए, विकास के लिए हम लोग वाध्य नहीं करेंगे, लेकिन देखते हुए आगे करना चाहिए।

120. **श्री विनय अग्रवाल, पत्रकार :–** महोदय, जनसुनवाई पहुंचने के बाद में एक कागज मिला है मुझे। इस कागज के बारे में प्लांट प्रबंधन क्या कहना चाहते हैं, जिसमें साफ तौर पर लिखा हुआ है कि जनसुनवाई का समर्थन करो। क्या ऐसे ही कागजों के माध्यम से जन समर्थन किया जाएगा? ना इसमें हमारी लिखावट है, खाली नाम लिख करके बाहर एंट्री करके एक कुरकुरे एक चाय के साथ में, सॉरी चाय बोलता हूं, पानी के पाउच के साथ में। इस प्रकार के कागज को देना, किस प्रकार के जन समर्थन को यहां पर दिखावा पूर्ण पूर्ति के लिए रखा गया है, पहला सवाल। दूसरा सवाल, क्या प्लांट अभी तक जो संचालित है, वो पर्यावरण के मापदंडों के अनुपात सही चल रहा है इतने गंभीर आरोप लगने के बावजूद आज तक कितने प्रकार की कार्रवाई की गई है और उसमें कितने प्रकार की बातें सहीं सिद्ध हुई है, इस बात का प्रमाण पहले पर्यावरण विभाग और यहां पर बैठे विभाग के अधिकारी इसको प्रस्तुत करें। उसके बाद जनसुनवाई का महत्व होगा। लगातार विरोध के बावजूद अगर इस तरह के वाक्य सामने आएंगे और जनसुनवाई करके खाली औपचारिकता निभाते हुए इस कागजों के माध्यम से प्रतीत होता है कि ये खाली औपचारिकता निभाई जा रही है, बाकी सब कुछ साठ गाठ अंदर तरीके से हो चुकी है। अगर टेबल के अंदर से ही लेन देन करके इस टाईप का काम अगर प्लांट को करना है तो मेरा विरोध है। इस टाईप की हरकतों को अपने पूर्ण रूप से लगाम दें और यहां जो स्थापित संयंत्र, जिन शर्तों पर उन्होंने खोला था, उसे भी बंद करके उखाड़ के अपने घर में लगा दें। क्योंकि अगर धूल खाए जनता और काम मौज मारे अधिकारी, है ना तो ये बहुत गंदी और ओछी चीजें जिले में नहीं चलेंगी। हमारा जिला जांजगीर चांपा जिला सौहार्द के नाम से जाना जाता है, भाईचारे के नाम से जाना जाता है और ऐसे कुछ बाहर के बाहरी तत्व यहां पर आकर के अगर उपद्रव मचाते हैं, तो ये बिल्कुल सहज स्वीकार

नहीं किया जाएगा। जनता के बीच, जनता के लिए रहना चाहिए। मैं पर्यावरण के अधिकारी से यहां पर आए हैं, उन सम्मानित अधिकारी से सवाल करना चाहूंगा कि आज तक कितनी कार्रवाई की गई है प्लांट के ऊपर, इस बारे में बताएंगे और किस अनुपात में अगर जो पर्यावरण अनुपात है, जिस अनुपात में शुद्ध हवा मिलनी चाहिए, वो क्या मिल रही है क्या जिस, जिस अनुपात में शुरू दस्तावेजों में साइन करके दिया गया है, प्लांट के माध्यम से, क्या उसी अनुपात में रोड सही सुधारी जा रही है आज भी चलिए उस प्लांट के रोड में, देखते हैं कितनी सुधरी हुई है। आप भी देखेंगे और हम भी देखेंगे और जनता भी देखेगी। क्योंकि बताएंगे आप और दिखाएंगे हम है कोई जवाब किसी अधिकारी के पास, मैं जानना चाहता हूं। क्या स्थानीय प्रशासन ने इसमें कोई कार्रवाई की है, किस प्रकार की कार्रवाई की है, इस बात को भी मैं जानना चाहता हूं। यहां प्रशासन के तमाम बड़े अधिकारी बैठे हैं, उनसे मैं जानना चाहता हूं इस बात को कि उनके द्वारा किस तरह की कार्रवाई आज तक प्लांट प्रबंधन पर की गई है और कितने बातों को सही करने के लिए निर्देश दिया गया है। इस बात को यहां पर दस्तावेज के प्रति छायाप्रति यहां पर रखने की कृपा करेंगे। उसके बाद जनसुनवाई का औचित्य है। अदरवाइज ऐसे ही माना जाएगा कि इस दस्तावेज में जैसा बाहर से दिया गया है, एक पानी पाउच और एक कुरकुरे के पैकेट के साथ में जाइए, अपना समर्थन दे के आइए, यही चीज यहां पर देखनी है तो फिर हमारे आने और दूसरे का दूसरो को धोखा देने का कोई मतलब नहीं है।

121. श्री संजय शर्मा :– जनसुनवाई जनता की आवाज और उनके दुख दर्द के बारे में, पर्यावरण के असंतुलन के बारे में होता है। एक पानी पाउच और एक बिस्किट के पैकेट में यह पेपर दिए जा रहे हैं, नाम और दस्तखत करवा के कि जमा कर दीजिए। ऐसे कितने कागज जमा करवाए गए हैं, इसकी जांच होनी चाहिए। सबसे पहले जनसुनवाई के पहले इसकी जांच होनी चाहिए कि कितने कागज ऐसे जमा करवाए गए हैं। प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था के लिए जाली बनाके अधिकारी अंदर बैठे हुए हैं। बाहर इस तरह का खुलेआम खेल चल रहा है। अधिकारी अभी तक की इसके क्या कार्रवाई किये है। बीते चार घंटों से यही खेल चल रहा है। 110, 112 आवेदन इस तरह के क्या बोलते हैं, दिए जा चुके हैं, एक पानी पाउच और एक बिस्किट में ये फर्जी है। ये हम प्रेस वालों को ये कागज दिए जा रहे हैं और इससे बड़ी बात क्या हो सकती है गांव के ग्रामीणों को क्या किया जाएगा। इस आधार पे प्रशासन क्या बोलते हैं। एनओसी देगी इनको, ये कैसा है, ये इसकी जांच पहले होनी चाहिए। आला अधिकारी बैठे हुए हैं, मैं उनसे आग्रह करूंगा कि जितने कागज आए हैं, उसकी

जांच पहले हो जनसुनवाई की तो बाद की बात है और प्लांट प्रशासन के अधिकारी क्या कार्रवाई कर रहे हैं, इस तरह से क्या बोलते हैं जनसुनवाई को हाईजैक करने के लिए। मेरा क्या बोलते हैं, विस्तार में विरोध है, क्योंकि इस तरह की जनसुनवाई सही नहीं है।

122. **श्री राजेश कुमार देवांगन, पार्षद, वार्ड क्रमांक 14 बलौदा :–** मैं कोल वासरी विस्तार के लिए समर्थन में हूं। समर्थन ऐसा समर्थन में हूं कि कुछ शर्तों के साथ। वहां पर सीएसआर के मद का जो पैसा मिलता है, उसका उपयोग हमारे नगर में नहीं हो पाता। बाहरी बाहरी जिलों में और अदर स्थानों में हो जाता है। मैं चाहता हूं कि वह सीएसआर का पैसा बलोदा नगर में अधिक से अधिक मात्रा में हो और आसपास के क्षेत्र में अधिक मात्रा में हो। फसल बहुत ही खराब हो रहे हैं, उसको न हमारे शासन ही लेने के लिए हिचकिचा रहे हैं, क्योंकि इतना धूल धक्कड़ हो जा रहा है फसल कि किसान लोग उसे परेशानी हो रही है तो उसको भी ध्यान में रखते हुए त्रिपाल लगाकर के और निश्चित मात्रा में अपना कोल सामान यहां से वहां ले जाएंगे, एक स्थान से दूसरे स्थान ले जाएंगे और क्या करते हैं ड्राइवर लोग कि शराब पीकर के दिन रात ड्राइविंग कर रहे हैं। रात में तो हेल्पर को दे दिया जाता है, जो 12 साल, 15 साल, 16 साल के लड़के रहते हैं, जिसको स्टीयरिंग थमाना नहीं आता है और रात में स्टीयरिंग किसी आदमी में घुसा करके चले जाता है। मैं चाहता हूं, अगर कोई आदमी खत्म होता है तो उसको मुआवजे के लिए हमारे तहसीलदार और टीआई साहब पहुंचते हैं और 25,000 देकर के उसको मनाना चाहते हैं। 25,000 में काम हो जाएगा। किसी का एक बच्चा है, वो खत्म हो गया तो उसका काम हो जाएगा। मैं चाहता हूं कि अगर नगर में आसपास के क्षेत्र में अगर कोई खत्म होता है तो कम से कम 25 लाख मुआवजा वो गाड़ी वाले दे और कोल वासरी दे। तभी तो यह जनसुनवाई का महत्व है। या तो फर्र से चलाते हैं गाड़ी को और ड्राइवर हेल्पर से एक्सीडेंट हो रहा है, लेकिन उसके ऊपर से ड्राइवर अपने हाथ से लेता है कि मैंने तो किया, मेरे साथ हुआ है करके ड्राइवर दो दिन में छूट जाता है और मरने वाले को क्या मिलता है? कुछ नहीं। मरने वाले के परिवार को कुछ नहीं, खाली सांत्वना मिलता है। 25,000 लेना है तो लो, नहीं लोगे तो तब भी नहीं मिलेगा। तो मैं चाहता हूं, अगर एक्सीडेंट होता है और कोई परिवार का सदस्य खत्म होता है, चाहे बच्चे हो या बुजुर्ग हो, कोई भी हो, कम से कम 25 लाख मुआवजा उसको मिलना चाहिए, 25 लाख से कम नहीं मिलनी चाहिए और मैं चाहता हूं कि यहां पर गौठान वगैरह का बहुत ही विशेष ध्यान देना चाहिए। गाय लोग तो ऐसा नहीं है कि किसी दिन नहीं

मरता होगा, कि किसी दिन एक्सीडेंट नहीं होता होगा। तो पशु के चिकित्सा के लिए विशेष ध्यान रखना चाहिए। उसके लिए एक गाड़ी की भी विशेष व्यवस्था होनी चाहिए, जिससे तत्काल बुलाकर के पशु को गाड़ी को गाड़ी में भर करके मतलब अस्पताल तक ले जाया जा सके। मैं इतना कहकर अपनी वाणी को विराम देता हूं। विस्तार हो, लेकिन कुछ शर्तों के साथ विस्तार होनी चाहिए। विस्तार के लिए मैं विरोध नहीं कर रहा हूं, लेकिन उसके साथ–साथ उसकी जो जो समस्या है, उसको विशेष ध्यान देते हुए विकास होनी चाहिए।

123. **श्री ऋषिकेश रात्रे, पार्षद, वार्ड क्रमांक 13, बलौदा :–** मैं इस क्षेत्रीय कार्यालय छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, जो जन सुनवाई का कार्यक्रम रखा गया है, वो अच्छी बात है। लेकिन मैं जो चाहता हूं, मेरा सोच है कि यहां पर पर्यावरण प्रदूषण तो बहुत हो रहा है और विकास हो, विस्तार हो, यह भी समर्थन कर सकता हूं, लेकिन उसमें कुछ शर्तें हैं। शर्तें ये हैं कि यहां पर अभी तक जब से यहां कोल वासरी स्टार्ट हुआ है, हिंद कोल वासरी है, महावीर कोल वासरी है, उनके द्वारा गाड़ी चलाई जाती है। उसमें बहुत सारे एक्सीडेंट होते हैं। उनका कोई कुछ तुरंत करते नहीं है। उसमें कुछ अच्छे मुआवजा होना चाहिए ताकि उनके परिवार को वो भरण पोषण कर सकें और रोड इतना गंदा रहता है जैसे जावलपुर अभी–अभी बना है वहां पर तो इतना जाम हो गया था, स्कूल वाले बच्चे आना जाना बंद कर दिए थे, बस जाना बंद कर दिया था। ये क्या है क्या मतलब कोल वासरी का मतलब है कि पैसा ही कमाकर ले जाना यहां से और सबसे बड़ी बात है रोड तो सुधार नहीं सकते तो कोल वासरी को भी आप संचालित नहीं कर सकते। क्या मतलब संचालित करने का तो इसको सुधारा जाए। यहां पर जो कोल वासरी का जो मेंबर बैठे हैं, जो संचालित कर रहे हैं, उनको मैं बोलना चाहूंगा। रोड को हर महीने पहले चेक किया जाए कि वहां कितना एक्सीडेंट हो रहा है। गड्ढा है, उसको फिल करना चाहिए और जो पर्यावरण से प्रदूषण हो रही है, यहां पर शराब पीने से, गांजा पीने से, यहां पर तंबाकू खाने से बीमारी नहीं होती है। पर्यावरण का जो शुद्ध वातावरण मिले, जो शुद्ध वायु मिले, वो शरीर को स्वस्थ रखता है और अशुद्ध मिलने का तो बिल्कुल मरेगा, दमा से मरेगा और बहुत सारी बीमारीयों से मरेगा उसके लिए भी एक यहां पर बीमा होना चाहिए। अगर इस क्षेत्र में जहां–जहां जाती है गाड़ी, इस क्षेत्र में अगर जाती है, गाड़ी अगर दमा रोग से मरे, सांस की बीमारी से मरे, उनका भी एक मुआवजा होना चाहिए और पूरा धूल धक्कड़ से भर जाता है। यहां पर गाड़ी चलाई जाती है, खुलेआम चला रहे हैं। बहुत तेज चला रहे हैं, जैसे हमारे वार्ड नंबर चौदह पार्षद हमारे राजेश भैया ने कहा है,

दोहराना नही चाहूंगा लेकिन उसमें जो शराब पीकर चला रहे हैं, कम उम्र चला रहे हैं, बिल्कुल हो रहा है और ऐसे पार्किंग कर देते हैं यहां पर, करने से यहां पर एक प्री मैट्रिक छात्रावास है। वहां पर कभी शिकायत है कि वहां खड़ी कर देते हैं गाड़ी को और अपना ऐसा करते रहते हैं, इधर भाग जाते हैं, उधर भाग जाते हैं। आने जाने में परेशानी और ट्रैफिक जाम होता है तो इसमें एक्सीडेंट हो रहा है। इसको बिल्कुल ध्यान देना जरूरी है। ये जो कोल वासरी वाले बिल्कुल ध्यान देना है इनको कि यहां पर गाड़ी खड़े, नगर से बाहर गाड़ी खड़ी हो, खाली जगह में तब तो कोई मतलब है और जो डस्ट जैसे आती है तो उसमें त्रिपाल लगाकर आना चाहिए, पानी छिड़काव होना चाहिए ऐसा हम लोग मर रहे हैं। ओ लोग पैसा कमा रहे हैं और जा रहे हैं, कोई मतलब नहीं और हम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। जनप्रतिनिधियों को, हमको सुनना पड़ता है। आपके नगर में ऐसा हो रहा है, ऐसा हो रहा है, आप कुछ नहीं कर रहे हैं तो क्या मतलब फिर तो इस चीज को आपको बहुत बारीकी से ध्यान देना चाहिए। स्वास्थ्य को ध्यान देना, शिक्षा को भी ध्यान दें। अब यहां पर प्री मैट्रिक छात्रावास है। वहां पर पूरा धूल, डस्ट, पूरा ऐसे परत दर परत जमा हुआ है। स्कूलों में जा रहा है धूल, डस्ट तो बच्चे पढ़ाई में ध्यान देंगे, धूल को खाते रहेंगे। आप एक दिन भी घर, घर बंद करके बाहर जा रहे हैं तो पूरा डस्ट, पूरा डस्ट जमा रहता है। उसका जिम्मेदारी कौन है, तो आप त्रिपाल लगाकर लाइए, पानी छिड़काव कीजिए और सबसे बड़ी बात है कि जो रोजगार है, यहां हमारे इलाके में, हमारे जांजगीर जिला में, हमारे ग्राम भेलाई में अगर स्थापित हो रहा है, विस्तार हो रहा है और अभी स्थापित है तो उसके रोजगार की भी जिम्मेदारी आप लोगों की है। स्थानीय को क्यों नहीं लेते हैं, बाहर वाले को लेते हैं, दूसरे राज्यों से लेते हैं। यहां का सक्षम नहीं है क्या यहां पर और पर्यावरण के नाम से पूरा डस्ट जैसे आप कटरा जाएंगे, वहां पूरा डस्ट ऐसे है कि वहां एक खाने लायक चीज नहीं रहता है। पूरा उसी में लिप्त रहता है, पूरा धूल रहता है तो ये ध्यान देना है कि धूल कम हो, धूल, धूल बाहर ना जाए। एक्सीडेंट हो रहा है, उसको रोकने की उद्देश्य से आप गाड़ी जो पीते हैं, जो रात दिन चला रहे हैं, उनका दो ड्राइवर रहना चाहिए। एक रात का रहना चाहिए, एक दिन का रहना चाहिए। आज साढ़े पांच बजे अब तीन ट्रक जली जला है यहां पर कोटगढ़ में। वो भी तो कहीं न कहीं वासरी का ट्रक था, वो जलकर खत्म हो गया। उसके जिम्मेदार कौन है? जिला प्रशासन, कोल वासरी क्योंकि इतना सारा धड़ल्ले से जितने भी ट्रक चलाई जा रही है, उनका आप उम्र तो देख लो और उनका ड्राइविंग अनुभव तो देख लो। किस अनुभव से चला रहे हैं? बस चला रहे हैं, चला रहे हैं। अगर पैसा

ही कमाना है तो जन सुनवाई करने की जरूरत नहीं है। जन सुनवाई समर्थन करने की जरूरत नहीं है। समर्थन, आप बोल रहे हैं, समर्थन देने के लिए तो क्या मतलब समर्थन का और मैं जनप्रतिनिधि नहीं, मैं जनप्रतिनिधि, हमको कोई सूचना नहीं दी गया, दिया गया है, कोई सूचना नहीं दिया गया है कि यहां जन, यहां जन सुनवाई होनी चाहिए। हमारे एरिया में हो रहा है, हमको पता नहीं है। ये तो बलौदा विकासखंड में आता है ना भाई। तो होना चाहिए कि नहीं ये बहुत बड़ी शिकायत है तो आप सभी से मैं अनुरोध और अनुरोध करना चाहूंगा कि इस बात को ध्यान दें। रोड को सबसे पहले अच्छे से रखें, जैसे भी चले गाड़ी गड्ढा ना हो क्योंकि जावलपुर रोड बहुत मुश्किल से बना हुआ है और जिस रोड में आ रहे हैं, जा रहे हैं, जो टर्निंग मोड़ है, पीडब्ल्यूडी से मैं कहना चाहूंगा उनके द्वारा अब पीडब्ल्यूडी के द्वारा जो कांक्रीटिंग है, उस वाला रोड जो टर्निंग है, हर टर्निंग में कांक्रीट होना चाहिए। डामर का रहता है, तुरंत उखड़ जाता है। फिर परेशान जनता, एक्सीडेंट हो रहा है बहुत सारा तो इस बात को आप सभी को ध्यान देना चाहिए। शासन प्रशासन को ध्यान देना चाहिए और जन पर्यावरण को और सबसे बड़ी बात यह है कि आए दिन जमीन के नाम से बहुत लड़ाई होता रहता है। तो आप जो पर्यावरण के वन विभाग के क्षेत्र में आते हैं, आप पूरा घेर लीजिए बेजा कब्जा तो हो रहा है, बेजा कब्जा कर रहे हैं, वो तो करेंगे ही, खाली जगह को तो आप अपना एरिया घेर लीजिए ताकि लड़ाई झगड़ा ना हो, बाद में उनको दिक्कत न हो। फिर जमीन मार काट हो जाते हैं, उसकी जिम्मेदारी कौन आप लोग तो बैठे रहते हैं वहां पर ये तो वन का विभाग है, ऐसा नहीं करना चाहिए और उसी वन विभाग में बेजा कब्जा उसको भी इस चीज को ध्यान देना चाहिए। प्रशासन का आप ध्यान देना चाहिए इन लोगों को और मैं यह बोलता हूं कि मैं तो समर्थन करूंगा विस्तार के लिए, ठीक है, लेकिन इस सब शर्तों के साथ मैं एक नगर पंचायत से हूं मैं भी पढ़ा लिखा हूं, डबल एमए हूं, हिंदी इंग्लिश में पीजीडीसीए हूं, सी.जी. टेट है और डीएड है। उसके बाद मैं यहां पर आया हूं और इस चीज को मैं बचपन से देख रहा हूं, बचपन से समझ रहा हूं तो आप लोग बिल्कुल ध्यान दीजिए, तब तो हम समर्थन के लिए तैयार हैं, फिर अन्यथा नहीं। तो इस चीज को आप विशेष रूप से ध्यान दीजिए और इसको बिल्कुल। बस इतना कहकर मैं अपना वाणी विराम दे देता हूं।

124. श्री संतोष जायसवाल, बलौदा :– महोदय, प्रस्तावित कोलवासरी की क्षमता 0.95 मिलियन टन वर्ष से बढ़ाकर 2.48 मिलियन टन वर्ष के लिए जाने के संबंध में मैं इस जनसुनवाई के माध्यम से गंभीर आपत्ति दर्ज करता हूं। केंद्र सरकार द्वारा कोयले के

परिवहन को रेलवे के रेलवे से अधिकतम करने का स्पष्ट लक्ष्य होने के बावजूद, परियोजना में सड़क परिवहन की गुंजाइश बनाए रखना जनहित, पर्यावरण संरक्षण तथा नीति की भावना के प्रतिकूल प्रतीत होती है। भारी मात्रा में कोयले का सड़क परिवहन से परिवहन क्षेत्र में धूल, प्रदूषण, सड़क क्षति, दुर्घटनाओं की संभावना एवं नागरिकों के स्वास्थ्य गंभीर दुष्प्रभाव उत्पन्न कर सकता है। इसके परिणामों को अनदेखा नहीं किया जा सकता। अतः अपेक्षित है कि इस विषय पर केवल सामान्य आश्वासन नहीं बल्कि स्पष्ट, बाध्यकारी एवं लिखित उत्तर प्रदान किया जाए। अतः निम्न बिंदुओं पर स्पष्ट स्पष्टीकरण दिया जाए तथा इन्हें जनसुनवाई की कार्रवाई में दर्ज किया जाए। पहला सड़क परिवहन की अनुमति क्यों दी जा रही है तथा यह सरकारी नीति के अनुरूप किस आधार पर है यदि सड़क मार्ग से कोयला परिवहन किया जाता है तो इससे होने वाले प्रदूषण, सड़क क्षति, दुर्घटनाएं एवं जन स्वास्थ्य हानि की पूर्ण जवाबदेही किसकी होगी ? इन प्रभावों को रोकथाम हेतु कौन से लागू करने योग्य, निगरानी योग्य एवं दंडात्मक प्रावधान सुनिश्चित किए जाए। कोयले के परिवहन को प्राथमिक से रेलवे रेलवे माध्यम से अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने हेतु क्या शर्त लागू की गई है। अतः निवेदन है कि उपरोक्त बिंदुओं पर ठोस एवं स्पष्ट उत्तर प्रदान किया जाए और इसे जनसुनवाई के आधिकारिक अभिलेख में दर्ज किया जाए। सर, थोड़ी सी जानकारी लेना चाहूंगा मैं। यह जो आप छत्तीसगढ़ पर्यावरण मंडल से आए जो अधिकारी हैं, ये केंद्र सरकार बोल रही है कि 78 परसेंट कोयले का परिवहन रेल मार्ग से होगा, मगर आप तो ये जो मिलियन टन बढ़ा रहे हैं, टू पॉइंट फोर एट, यह बढ़ा रहे हैं तो यह किसके माध्यम से जाएगा यह तो फिर यही मतलब सड़क परिवहन से होगा। तो सरकार एक तरफ बोल रही है कि 78 परसेंट हम रेल से परिवहन करके पर्यावरण को स्वच्छ बनाएंगे। मगर आप ये जो अप्रूवल कर रहे हैं, आप जनसुनवाई कर रहे हैं तो इसका थोड़ा सा आप मेरे को जवाब देते बनेंगे क्या आपको। ठीक है तो फिर मैं ये कॉपी आपको जमा कर देता हूं।

125. श्री नवरंग यादव, ग्राम–बलौदा :– मेरा चार एकड़ अठासी डिसमिल जमीन निकला है वहां वासरी में और मैं फुल समर्थन करता हूं महावीर कोलवासरी का और हमारे गांव का कोई आदमी विरोध करता है तो अलग बात है ना और हमारा अधिकार है वासरी का विरोध करना नहीं करना, क्योंकि बाहर भी विरोध कर सकते हैं क्योंकि गाड़ी चल रहा है बाकी तो जमीन हमारा निकला है ना, अधिकार हमारा है, असली विरोध हमारा ग्राम पंचायत भिलाई का दर्ज करिए, कौन विरोध बात कर रहा है, कौन पक्ष बात कर रहा है, है ना ठीक है और बाकी तो सब चलता रहता है। विरोध करने से क्या होता

है सब यहां से वहां तक सब अधिकारी तो सब बिके हुए हैं। कोई विरोध भी बात करो, क्या करोगे आप विरोध एसपी, कलेक्टर, अधिकारी और कलेक्टर साहब बैठे हैं, क्या करेंगे? विरोध करेंगे, उनको भी ट्रांसफर करा देंगे। मुख्यमंत्री, अधिकारी, कलेक्टर सरकार के अंदर में रहते हैं और कंपनी का मालिक जो है, बहुत बड़ा आदमी होता है, उसको विरोध नहीं कर सकते। विरोध करें, क्या करें? नहीं करके क्या कर सकते हैं? अधिकारी भी नहीं कर सकते आप। जितना अधिकार मैं पक्ष में बात नहीं कर रहा हूं, मैं साफ बोल रहा हूं। बड़े हमारे मैडम जी बैठे हैं, कलेक्टर महोदय, एसपी साहब जो भी वो अधिकारी हमारे बड़े हैं, विरोध करेंगे तो कांकेर बस्तर भिजवा देंगे या उधर भिजवा देंगे, दूसरा राज्य। पैसा होता है, गलत बोल रहा हूं सर मैं। मैं बचपन से राजनीति करते आ रहा हूं। चौबीस साल में मैं सरपंच रहा हूं। मैं चौबीस साल में मेरे माताजी सरपंच थे। मैं ब्लॉक अध्यक्ष हुआ कांग्रेस का, जिस समय अजीत जोगी की सरकार थी, मैं मुख्यमंत्री को एक आवेदन दिया, तुरंत हेलीकॉप्टर में आ गया, वहां कॉलेज भी बन गया। 12 एकड़ में। हां, मुख्यमंत्री के आदमी हैं हम लोग, ऐसा थोड़ी नहीं है। नवरंग दास हाई प्रोफाइल आदमी हैं, भले कुछ नहीं है हमारे पास। सब हाई प्रोफाइल आदमी सब जानते हैं। राज बोध से लेकर चरण दास महंत जी के मैं खासम खास आदमी हूं। एक बार बोलता हूं महंत जी का आदमी हूं तो कोई भी अधिकारी मेरे को ऊंआं नहीं करते। जाओ, महोदय बोल देता है, नहीं नहीं, आप बड़े नेता हो कहते है अऊ अधिकारी भी का हम सम्मान भी करते हैं। क्योंकि बड़ा अधिकारी पढ़ लिखकर बना रहता है। है ना? तो मैं इतना बोलना चाहूंगा दो मिनट और विरोध तो फॉर्मेलिटी है सर जी, एकदम फॉर्मेलिटी है। कोई ये दिखावा है, एक आज जा जगह हमारे पंडित जी भी हैं और आदरणीय गुरु और हमारे गुरुजी हैं। पंडित जी, हम लोग ब्राह्मण गांव के आदमी हैं। भाई, हमारा ब्राह्मण गुरुदेव है। साफ साफ बोलूं ना, ठीक है, उसके बाद तो हम लोग यादव समाज के ही हैं। लड़ाई झगड़ा वाले है ना और हमारे गुरुदेव लोगों का आशीर्वाद रहता है। चलिए पूरा फुल समर्थन है।

126. **श्री जितेन्द्र कुमार श्रीवास, ग्राम–बलौदा :–** मैं महावीर कोल वासरी का समर्थन में हूं।

127. **श्री रमाकांत साहू, सांसद प्रतिनिधि, जांजगीर–चांपा :–** आज कोल वासरी क्षमता के जो बढ़त के जो आप यहां जनसुनवाई के शिविर लगाये ह, एकर विरोध करे से, हमर कुछ होने जाने वाला नहीं हे। हमर मांग हे के इस क्षेत्र के जो बेरोजगार हे, युवा हे, पीढ़ी हे, ऐ मन ला आप रोजगार दिलावा। ये हा जो बेरोजगार युवा हे, ओ मन ला रोजगार दिलावा और यहाँ जो गाड़ी चलत हे, वो मन ला अब अंकुश लगावा, तिरपाल

ढ़क के चलावा और पानी के छिड़काव भी करावा तो तब तो ठीक हे। आपके जो क्षमता बढहत हे, ओमा हमर कोई विरोध नई हे, लेकिन ये क्षेत्र के जनता ला व्यवस्था ला देख के आप काम करा। मैं रमाकांत साहू, सांसद प्रतिनिधि जांजगीर चांपा मोर धरमपत्नी जनपद के सभापति अऊ मोर क्षेत्र भी आथे जर्वे, जहां गाड़ी के पूरे रेला लगे हे, जाम हो जात हे। वहां जो पुल बने हें, ओकर स्थिति बहुत ही जर्जर हे। आपसे निवेदन हे कि ओला भी आप ला अवगत करात हव ओला बनवाय के व्यवस्था बनावा और वहां जो रास्ता म जो अपन मकान हे वहां खाना पीना म इतना तकलीफ हो जात हे के धूल से ओ मन ला खाना पीना भी नहीं मिल पात हे, ए स्थिति हे। आपला बिल्कुल निवेदन करत हव, एकर व्यवस्था बनावा।

128. **श्री सतीश कुमार यादव, ग्राम–कोरबी :–** ये जो प्लांट का विस्तार हो रहा है, ये होना अच्छी बात है और दुर्भाग्य की भी बात है। मेरा एक प्रशासन से सुझाव है मैं कोरबी के मेन रोड पर रहता हूं। वहां शीशा, दरवाजा, पर्दा लगने के बाद घर के अंदर एक दिन आप कपड़ा या घर तक साफ करोगे, दूसरा दिन रहने लायक नहीं है। प्रशासन से मेरा निवेदन है कि पानी का छिड़काव सुबह शाम होना चाहिए। चौक चौराहे पर गार्ड की व्यवस्था होना चाहिए सबसे बड़ी बात। चूंकि ये अभी तक नहीं हो पाया है। मैं कई बार बोला हूं कि वहां गार्ड व्यवस्था होना चाहिए। तीसरी बात रोड के दोनों दांये बाएं दोनों पार वृक्ष का निर्माण होना चाहिए, जो प्रदूषित क्षेत्र को एक अच्छा हवा ऑक्सीजन प्रदान करेगा। हम सबके लिए सौभाग्य की बात होगा। प्रशासन से मैं निवेदन है कि जो गाड़ी का रफ्तार है वो कृपया धीमी होना चाहिए और पुनः निवेदन आग्रह करता हूं कि दो तीन मोड़ ऐसा है खतरनाक, वहां पर केवल 12 घंटा दो व्यक्ति गार्ड रूप में रखना चाहिए ये मैं निवेदन आग्रह करता हूं।

129. **श्री आनंद शर्मा, ग्राम–भेलाई :–** जैसे कि आज यहां पर सभी जानते हैं कि महावीर कोल वासरी द्वारा अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए यहां पर जन सुनवाई की जा रही है तो मेरा कहना यह है कि मैं तो भाई भेलाई गांव का आदमी हूं और जानता हूं। कई साल से हमारे यहां महावीर कोलवासरी की वासरी संचालित हो रही है तो मैं तो अपना समर्थन बराबर दूंगा। मैं चाहूंगा कि क्षमता बढ़े, कार्य बढ़े और ज्यादा से ज्यादा हमारे गांव के लोगों को रोजगार मिले और मैं यहां पर बहुत देर से हूं और मैं सुन रहा हूं। कई प्रकार की बातें हैं। कई लोग आ रहे हैं, कई समर्थन कर रहे हैं, कुछ विरोध भी कर रहे हैं। मैं यह कहना चाहता हूं कि महावीर कोल वासरी के बारे में मैं अपनी व्यक्तिगत राय अगर दूंगा तो मैं आपको यह बताना चाहता हूं कि सन 2003 से पहले मैं खुद एक एनएमडीसी कर्मचारी का बच्चा हूं। हर सुख सुविधा मुझे शासकीय

जो भी मिलता है, उसको मैं अच्छे से जानता हूं। जब मैं यहां आया, इस गांव में, मेरे पिताजी इसी गांव के भेलाई के रहके वो खत्म हो गए तो मैं यहां आया। मैं यहां आया तो मैंने देखा कि यहां पे रोजगार के नाम पर खाली रोजगार गारंटी है या तो लकड़ी काटो बेचो था। इस प्रकार से अपना जीवन यापन कर रहे थे या फिर कहीं बलौदा में दुकान खोल लो, पांच छह हज़ार में या किसी बनिया के यहां नौकरी करो, यही था। मैं महावीर कोलवासरी को बहुत बहुत धन्यवाद देना चाहता हूं कि वे यहां आए और उन्होंने यहां एक उद्यम लगाया, जिससे जो कि सिर्फ कोयले के परिवहन का उद्यम है। महोदय, आप असल में देखिएगा तो महावीर कोल वासरी महावीर कोल वासरी का अगर कोई विरोध करेगा तो मैं तो उसको राय नहीं दूंगा, क्योंकि हकीकत में अगर आप देखेंगे तो ये जो कोयला है, ये शासन का कोयला है, एसईसीएल का कोयला है। एसईसीएल के खदानों से निकलता है और इधर उधर उसे भेजा जाता है। सिर्फ वही काम महावीर कोल वासरी कर रही है। यहां पर कोई किसी प्रकार के रोजगार की व्यवस्था नहीं थी। हमारे गांव को महावीर कोल वासरी खुलने से रोजगार मिला। इसके लिए हम बहुत बहुत महावीर कोल वासरी को धन्यवाद देते हैं। सीएसआर मद से भी बहुत सारे काम हमारे गांव में और आसपास के गांव में करवाई जारी है, उसके लिए भी हम धन्यवाद देते हैं। हम सिर्फ इतना कहना चाहते हैं कि क्षमता विस्तार अगर हो रहा है तो क्षमता विस्तार हो, कार्य बढ़े और हमारे गांव के ज्यादा से ज्यादा लोगों को रोजगार मिले और जैसे कि मैं जानता हूं कि महावीर कोल वासरी या कोई भी उद्योग अगर अपना कार्य प्रारंभ करता है तो सरकार को बराबर टैक्स देता है। सरकार टैक्स लेती है, उस टैक्स को पैसे को कहां लगाती है, इस बात का जवाब सरकार को देना पड़ेगा। महावीर कोल वासरी रोजगार दे रही है, जहां जैसा बोला जा रहा है, अपने हिसाब से सीएसआर मद से किसी मद से कर रही है, लेकिन हर जवाबदारी उसकी नहीं है ना। बहुत सारी जवाबदारी सरकार की है। गाड़ियां चल रही हैं, टैक्स ले रहे हैं सरकार, रोड कौन बनाएगा। भाई गवर्नमेंट बनाएगी ना, भारत माला कितना बड़ा रोड बन गया, एक बाईपास सरकार नहीं बनवा पा रही है। क्या उसको भी महावीर कोल वासरी बनाएगी। बोलो ना, बना के बता देगी। रोड में एक्सीडेंट हो रहे हैं, 10 एक्सीडेंट हो रहे हैं, चार एक्सीडेंट ट्रक ट्रेलर से हो रहे हैं, छह एक्सीडेंट छोटी छोटी गाड़ियों से हो रहे हैं। इसका जवाबदार भी महावीर कोल वासरी है क्या? भाई इसका जवाबदारी कौन लेगा? शासन लेगा, प्रशासन लेगा। मैं ज्यादा लंबा नहीं बोलना चाहता, शॉर्ट में बात कहूंगा, वासरी का क्षमता बढ़ाइए, रोजगार दीजिए और एक बहुत ही महत्वपूर्ण बात मैं कहना चाहूंगा कि

जो प्रभावित गांव हैं, वहां के लोगों को रोजगार दिया जाए और साथ ही साथ उन्हें आईटीआई में आईटीआई में उन्हें विशेष प्राथमिकता दी जाए। जो भी प्रभावित गांव हैं, सरकार यह सुनिश्चित करें कि कौन कौन से गांव विशेष प्रभावित हैं, वहां से स्कूलों के माध्यम से संपर्क करें, कॉलेज के माध्यम से संपर्क करें। जो बच्चे इच्छुक हैं आईटीआई करने के, इंजीनियरिंग करने के, उन्हें प्राथमिकता दी जाए, मेरी ये आपसे निवेदन है और जैसे कि मैंने तो पहले ही इसका समर्थन दे दिया था और यह जानते हो कि कोई भी काम करोगे तो फायदा होता है तो कुछ नुकसान भी होता है। बड़े बड़े जब भी यज्ञ अनुष्ठान में कुछ कुछ कुर्बानियां दी जाती है, उसी प्रकार से थोड़ी बहुत नुकसान तो होता ही है। तो मैं नुकसान जो ध्यान दिया जा रहा है, वह दे। भाई, हमें तो फायदा भी दिख रहा है और हम यही विशेष प्रार्थना करेंगे कि ज्यादा से ज्यादा रोजगार और आईटीआई में हमारे क्षेत्र के लोगों को मौका दिया जाए। सड़क दुर्घटना जो हो रही है, इसमें भी ध्यान बराबर प्रशासन दे। सभी चीजों को वासरी नहीं कर सकती है। प्रशासन की जवाबदारी भी होती है। तो मैं प्रशासन से, शासन प्रशासन से विशेष निवेदन करता हूं कि आप लोग इस पर ध्यान दीजिए। आप लोग जनसुनवाई में आते हैं, बैठते हैं, लिखते हैं, चले जाते हैं। सारा कुछ दोष लगता है वासरी को तो भाई कुछ अपना भी तत्परता दिखाइए, ताकि आने वाले समय में जब भी जनसुनवाई हो तो लोग बोले हां, वासरी के साथ साथ प्रशासन भी मुस्तैद है। बस इतने कह कर मैं वाणी को विराम देता हूं।

130. **श्री गोवर्धन कुर्रे, पूर्व पार्षद वार्ड क्रमांक 02 नगर पंचायत बलौदा, अध्यक्ष ब्लाक कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति :–** सर, आज झर्राडीह वार्ड क्रमांक 14 में क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ द्वारा लोक जनसुनवाई रखी गई है। मेसर्स महावीर कोल वासरी प्राइवेट लिमिटेड यूनिट–1 और उसका हम लोगों को यह दिख रहा है कोल वासरी क्षमता 0.95 मिलियन टन प्रति वर्ष से 2.48 मिलियन टन प्रति वर्ष वेड टाइप के पर्यावरण स्वीकृति हेतु लोक सुनवाई 11/02/2026 रविवार 11:00 बजे को हो रहा है। सर हम लोगों को आपसे पर्यावरण से हम लोगों को एक जानकारी चाहिए और शायद हम लोगों को बोलने के बाद पर्यावरण के जो अधिकारी आए हैं, उनके कोल वासरी के कर्मचारी आए होंगे, उन लोग हम लोगों को जो बात सुनेंगे, उसके बाद कथन देंगे कि नहीं देंगे नहीं लगता। लेकिन मेरी एक मांग है सर। अभी डबल मतलब ट्रिपल मतलब एक मिलियन से तीन मिलियन हो रहा है तो पानी जो कोयला का पानी सर वो पानी कहां से आएगा धोने के लिए सबसे बड़ी बात है कि जल स्तर जो जमीन का जो जल स्तर है, वाटर

लेवल है। प्रति वर्ष 10 फीट 15 फीट जा रहे हैं। हमारे बलौदा में पहले 50 फीट 55 फीट पानी मिल जाता था। आज लगभग लगभग 110 फीट पानी में पानी मिल रहा है। सर, अगर उन लोगों के द्वारा मेरे ख्याल से हम लोगों को एक बोर लगाते हैं पांच एचपी का, उसमें तो पानी मिलता नहीं। किसानों का ना खेत पलता है, ना वो पल़ता है और उसके लिए इतना उसको कहां से इतना पानी मिल जाएगा कि हां अनुमति देना चाह रहे हैं तो हम लोगों का एक विशेष मांग है। सर, कोल वासरी अगर लगा रहे तो ठीक है, लेकिन वाशिंग जो धुलाई होना है उसका कोयला का तो कोयला धुलाई पानी के लिए वो अलग से कुछ ट्रिप बनाया ना सर, उसके लिए कहीं से में में मैनेज करें। जैसे कि बिजली वाले कारखाना लगाते हैं, कहीं से सप्लाई लेते हैं, वाटर बनाते हैं, टैंक बनाते हैं, उसके बाद वो लोग करते हैं। उससे करें हम लोगों का तो ये सर दिक्कत हो जाएगा कि बाद में वासरी वासरी खुल रहा है और वाटर लेवल नीचे जाएगा तो फिर पानी का बलौदा में भी तो बहुत दिक्कत है तो उसके लिए अलग से कुछ व्यवस्था हो तो उसकी जानकारी दीजिए। बाकी बात रही जो हो रही है जो ठीक है, दो से तीन हो जाए जो दस कर्मचारी है अभी नामित, उसको कम से कम प्रशासन के तरफ से जाते हैं तो अब वो बोल रहे हैं तो अभी सौ कर्मचारी को कम से कम तीन सौ कर्मचारी लगेंगे उसमें और मेरे को तो नहीं लगता कि तीन सौ कर्मचारी फिर लगाएंगे। तो हम लोग यही है कि कंपनी के द्वारा या आप लोग आए उनके द्वारा कुछ ऐसा विदित करिए, वहां पर बांध भी है, लगा हुआ है वासरी महावीर कोलवासरी के बगल में उसका वेस्ट पानी जो कोयला का पानी है, वहां भी जाता है तो आप कम से कम वो पानी को रोकने के लिए उसको वाटर लेवल बढ़ाने के लिए वो जो केमिकल जो पानी है वो जाता है। वहां एक मछुआ समिति है और मछुआ समिति का जो बीज वीज डालते हैं, वो भी नुकसान होता है तो कम से कम वो साइड करें। उसको पानी कोयला का पानी कम से कम बांध तो मत जाए और बढ़िया स्तर पर बना सर दो से तीन, एक से ढाई हो रहा है और भारी मात्रा में पानी का दोहन होगा तो कम से कम पानी का व्यवस्था तो वासरी प्रबंधन के द्वारा करना चाहिए। और सर, यह बात है हमारे जो हम लोग कहना भी चाहते हैं कि फिर वाला बात नहीं है। हम लोग सुझाव है कि हमारे यहां वासरी प्रबंधन के द्वारा पानी का अति दोहन न हो, क्योंकि पानी ही जल ही जीवन है और लोगों का आना जाना, रोजमर्रा की जिंदगी पानी से चालू होता है। यहां इस हाईवे का कोई व्यवसाय नहीं है। सिर्फ जो पानी है नीचे के दोहन से हो रहा है। वो अगर क्षेत्र में एक हिंद वासरी हैं, उनका भी दो तीन यूनिट और बढ़ गए हैं। महावीर वासरी का और एक दो यूनिट बढ़ गए

हैं। अभी बीच में आया था उसका जी आर का, वो भी बीस बीस सब पर बीस एचपी, बीस एचपी का लगा लगा करके पानी दोहन हो रहा है। तो जल स्तर का पानी कम से कम उपयोग न हो और पानी का व्यवस्था कहीं दूसरे से करें और खुले दो खुले तीन, खुले चार खुले बढ़िया से रखें। हम लोगों को क्या पता लेकिन कम से कम आने वाला भविष्य को सुरक्षित रखते हुए काम होना चाहिए। मेरी इतनी ही सुझाव है। धन्यवाद।

131. **श्री आर्यन कुमार ग्राम–भेलाई :–** महोदय, कोल वासरी का विस्तार होने जा रहा है। विस्तार में जैसा कि अभी भैया ने रखा बात कि वो कोयला साफ करने के लिए पानी कहां से लाएंगे हमारे खुद के गांव भेलाई का जो जल का दोहन है, वह लगातार बढ़ते जा रहा है। यह तो रही एक बात। दूसरी बात, जो कोल वासरी का बाईपास रोड है, वह कोरबी से होते हुए सीधा थाने के पास से निकलता है और इस मार्ग में कोरबी में दो स्कूल, लपेटा पारा में दो स्कूल, ब्लॉक भेलाई में एक कॉलेज, जय भारत इंग्लिश मीडियम स्कूल, ग्रीन वैली पब्लिक स्कूल, यहां तक कि छह सात स्कूल पड़ता है। झर्राडीह का भी स्कूल पड़ता है और यहां बच्चों का लगातार स्कूल के समय में आना जाना होता है और उस दौरान महावीर कोल वासरी का गाड़ी लगभग सौ डेढ़ सौ की स्पीड में निकलता है। अगर भविष्य में किसी कारणवश घटना दुर्घटना होती है तो उसका जवाबदार कौन होगा? मैं आप लोगों से निवेदन करूंगा कि उक्त समय में स्कूल और कॉलेज के समय में उन गाड़ियों पर रोक लगाई जाए, भले उसके बाद चलाते रहें। धन्यवाद।

132. **श्री योगेंद्र यादव, सरपंच प्रतिनिधि ग्राम पंचायत–भेलाई :–** आज महावीर कोलवासरी द्वारा जन सुनवाई का कार्यक्रम रखा गया है। इसमें कोल वासरी का भार क्षमता बढ़ाया जा रहा है। इस माध्यम से मैं अपना जन सुनवाई के माध्यम से अपना मैं कुछ बातें रखना चाहता हूं, जो अपने गांव और आसपास के क्षेत्र के लिए है। जैसे कोल वासरी का क्षमता बढ़ रहा है तो हमारी मांग है कि हमारे यहां जो पढ़े लिखे नवयुवक बेरोजगार हैं, उनको प्राथमिकता दिया जाए और प्लांट की गाड़ी जहां तक चलती है, वहां तक पानी टैंकर को घुमाया जाए, जिससे आसपास के क्षेत्र वाले डस्ट से बच सकें। जो सीएसआर का मद है, उसका पचहत्तर परसेंट ग्राम पंचायत भेलाई में उपयोग किया जाए, जिससे हमारा गांव का विकास हो सके और जो भी अपने लोकल कर्मचारी हैं, उनको पेमेंट को बढ़ाया जाए, क्योंकि उनका पेमेंट बहुत कम है और महंगाई बहुत बढ़ चुकी है। इसलिए मेरी मांग है और प्लांट के किनारे में जितने खेत हैं, उनको वार्षिक. नुकसान का मुआवजा दिया जाए। डस्ट की वजह से उपजाऊ

कम होते जा रहा है, आसपास के जमीनों का और हम और मैं महावीर कोलवासरी के प्लांट क्षमता बढ़ाने के पक्ष में हूं। धन्यवाद।

133. **श्री शुभांशु मिश्रा, उपसरपंच ग्राम पचांयत– सिवनी नैला :–** छत्तीसगढ़ी में कहावत हे मैडम, ''लबरा के खाए त पतिआए'' वापस रिपीट करूंगा, लबरा के खाए त पतिआए। शायद आपको और आपके डिपार्टमेंट को ये कहावत आता होगा समझ में, इसका मतलब क्या होता है, मतलब झूठे पे आप भरोसा मत करो। महावीर कोल वासरी का कन्हाईबंद में चल रहा है और इधर एक और चल रहा है। दो जगह इनका साइट चल रहा है। कन्हाईबंद में छह एकड़ में इन लोगों को वृक्षारोपण करना था। एक एकड़ के हिसाब से छह सौ पेड़ मतलब छत्तीस सौ पेड़, कन्हाई बंद में प्लांटेशन होना था। वैसे ही बलौदा में पाँच एकड़ में इनका प्लांटेशन होना था, तीन हज़ार पेड़। जाके गिनती करिए, फिर वापस मैं कहूंगा लबरा के खाए त पतिआए। पहले का पूरा करवा लीजिए, उसके बाद आपको ढाई टन का देना है कि ढाई सौ टन का देना है, वो आपके ऊपर है। पहले का वादा तो पूरा करवा लीजिए। होगा क्या, जुर्माना होगा, पटा देंगे ठीक। इनको केवल अपना भार बढ़ाने से मतलब है। कई सारे लोग आए, रोजगार मिलेगा, मिलेगा रोजगार। लेकिन उसके एवज में लोग क्या दे रहे हैं अपना जान दे रहे हैं। तीस टन गाड़ी, तीस टन वजनी गाड़ी चलना है और पचपन टन, साठ टन का गाड़ी चलता है। यहां इतने सारे लोग हैं और कोई किसी को उड़ना नहीं आता है, सबको रोड में ही है। आप भी बाई रोड ही आई हैं, कलेक्टर महोदय आए हैं। हम सब रोड में ही चलने वाले लोग हैं और भगवान न करे जाते–जाते आपको या मुझे कोई हाईवा या ट्रेलर मार दे। पिछले नौ महीने से मैं विरोध कर रहा हूं मैं इस चीज का, कि नो एंट्री में गाड़ी न चले, न चले, न चले। लेकिन पता नहीं यातायात विभाग को ऐसा क्या है कि ऊपर से उनको आदेश आता है कि हाथ कांपते हैं कार्रवाई करने के लिए मैडम यहाँ। ग्यारह बजे नो एंट्री खुलने का समय है, आठ बजे से ग्यारह बजे सुबह। दस, साढ़े दस बजे सिवनी नैला में गाड़ी पहुंच जाता है। इसका मतलब क्या कि बलौदा थाना से उनको छोड़ दिया जाता है विशेष परमिशन होगा, नैला बैरियर से गाड़ी छोड़ा जाता है। रोड का भार क्षमता कितना है, किसी को नहीं पता है। ना पीडब्ल्यूडी वालों को, ना तो आप जो लाइसेंस दे रहे हैं उनको, किसी को नहीं पता है, लेकिन फिर भी आप लोग दे देते हैं और क्या ऐसा मजबूरी है कि यहां ग्रामीण और पत्रकारों से ज्यादा पुलिस बल है यहाँ तो पहले ये दो चीज तो क्लियर करवा दें कि वो प्लांटेशन पहले किए हैं कि नहीं किए हैं। यदि किए हैं तो दे दीजिए, एक बंदा कोई विरोध करेगा, उसके विरोध में मैं खड़ा रहूंगा। यदि सही तरीके से जितना भी इन लोग वादा किया है या नियम कानून में होगा, जितना भी नियम कानून इन लोगों का आप लोग के द्वारा बनाया गया होगा, दिया गया होगा, उसमें से सभी का सभी ये इन लोग से पूरा है तो फिर दे दीजिए, किसी को कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन वो कन्हाईबंद में उस वादे को पूरा नहीं किया है, यहां नहीं

किया है तो लगता है कि वो भेलाई में करेंगे। बाहर बात चल रहा है, वो हर जगह बात है कि सभी, सभी के सभी मैनेज हैं करके सीएसआर का लोग बात किये, सीएसआर का पैसा मिलेगा, कहां से मिलेगा सिवनी का आज तक सीएसआर का एक फूटी कौड़ी नहीं आया है। साहब बैठे हैं, गए थे हम लोग। चक्का जाम कभी मैं दिया था आवेदन, चक्का जाम निर्धारित तिथि में होना था तो वहां के तत्कालीन एसडीएम सर, तहसीलदार साहब, डीएसपी मैडम ढेर सारे लोग आए थे चक्का जाम स्थगित करने के लिए, क्योंकि उस दिन राज्यपाल आने वाले थे। मैं बोला अकेले का दे दो परमिशन, अकेले का भी नहीं दी। चलिए, ये तो होता रहेगा। ये मेरे नाम से भी है, राइटिंग तो मेरा नहीं है, इतना गंदा तो मेरा नहीं लिखता है। हमारे गांव में पर्यावरण जनसुनवाई आज दिनांक, मेरे गांव में नहीं हो रही है जनसुनवाई। बस मैं अपना नाम एंट्री करवाया हूं वहां, शुभांशु मिश्रा, सिवनी नैला। दे दिए मेरे को। एक राजेश्वर जांजगीर का है, उसके भी मेरे गांव में जनसुनवाई लिखा है, तो एक बार बारीकी से उसका जांच कीजिए। चार–पांच हैंडराइटिंग से ज्यादा हैंडराइटिंग नहीं है, थोके भाव में रखा गया है उसको। कई वक्ताओं ने कहा, एक हल्दीराम को भुंझिया, एक बिस्किट, बिस्किट तो मैं भी खाया हूं, भूख लग रहा था सुबह से, लेकिन इसके लिए नहीं खाया। तो इस पर भी कार्रवाई करें और मैं तो वो बोलता हूं कि कोई पक्ष में बोल रहा है, कोई विपक्ष में बोल रहा है, कहीं कोई मतलब नहीं है। यदि इस तरह की यदि घटना हो रही है तो इसको शून्य घोषित करें, वापस फिर से कर लेंगे कौन से इसमें सरकार का पैसा लगा है प्लांट वालों को यदि एनओसी चाहिए या उनको भार बढ़ाने की क्षमता चाहिए, वापस फिर खर्चा करेंगे। तो इसको आज का ना स्थगित कर दीजिए, ज्यादा सही है वरना प्रशासन भी दायरे में आएगा। लोग तो सवाल करेंगे ना इस पे कि ये सब होने के बाद यदि उन्हें स्वीकृति मिला तो फिर वो गलत होगा। ट्रांसपोर्टिंग होती है हम उद्योग नीति के खिलाफ नहीं है, लेकिन सही तरीके से हो तो कई सारे लोगों को मिला रोजगार, अच्छी बात है, लेकिन जो नियम हैं उस पर मिले मेरा भी मन करता है से फोन को चुके ना, अपना कुछ काम कर लूं। छोटी बच्ची है मेरी। अब जो चीज प्रशासन नहीं करवा पाया, हमारे गांव के लड़के करा रहे हैं, उस चीज को। नो एंट्री मतलब नो एंट्री, टोटल अपने डंडे के दम पर। उससे भी मैं पुलिस के बड़े अधिकारी से मैं बात किया था। सर ऐसा कर रहे हैं हम लोग तो बोले, कि नहीं, आप कानून को अपने हाथ में नहीं ले सकते तो कौन लेगा, कानून वाले आप हो तो आप ही ले लो अपने हाथ में, आपके हाथ में नहीं है इसलिए गांव वालों को खड़ा होना पड़ रहा है। तो मैडम मरे भी हम ही, जेल भी हम ही जाएं, गलत है ना क्या मिलेगा अपने को धूल। प्लांट वाला अपना पैसा लेकर चला गया, नौकरी करने वाला अपना नौकरी करेगा, बाकी तो कूलर उलर तो चल ही रहे सही है। बाहर नहीं गर्मी है, तो ये इनपे विचार करें कि ये बटा है, वो गलत है। पुराना जो जिस शर्त पर वो लिए थे, वो शर्त की वो पूर्ति की है कि नहीं की है, वो तो अलग चीज है। ये गलत हुआ है तो इसके बेस पर तो जनसुनवाई कैंसिल किया जा सकता

है, क्योंकि समर्थन में ज्यादा से ज्यादा एक सौ तीस, एक सौ चालीस होगा, उससे ज्यादा नहीं। अपने रीडर लोग से आप एक बार तात्कालिक पूछिए कि एक सौ तीस, एक सौ चालीस से ज्यादा नहीं होगा पक्ष में और वहां वीडियो फुटेज भी है अपने पास। एक सौ उन्नीस नाम का, एक सौ उन्नीस लोगों का समर्थन जिसका बाकायदा लिस्टिंग हुआ है। तो एक सौ उन्नीस नहीं, एक सौ पचास होगा टाइम कितना हो जाएगा इक्कीस लोग पक्ष में हैं और ढेर सारे विपक्ष में बोल दिए। विपक्ष में बोलने वाले को कहीं कोई पक्ष नहीं मिला है। लेकिन जो पक्ष में बोले हैं और जिनका लिस्टिंग है, पक्ष में बोले सही है, लेकिन वहां जिनका नाम है वो तो गलत है ना, क्यों किया जा रहा है लिस्टिंग ये? कार्यक्रम के बाद शायद उनके लिए कुछ विशेष व्यवस्था होगा। जब जनसुनवाई एकदम प्रारंभिक स्थिति में था, वहां कोने में लोग बैठे थे, वहां पंद्रह–बीस के ग्रुप में सब आए। एक लाइन से समर्थन, समर्थन, समर्थन सब। आप सबको लगा वो वाह, ये तो अच्छा काम है, कहीं कोई विरोध नहीं है। फिर उसके बाद कोई एक विपक्ष में बोलता, उसके बाद फिर पंद्रह–बीस लोग फिर आकर खड़े। फोन कर कर के बुलाया गया है सबको। पंद्रह–बीस के ग्रुप में एक पंद्रह–सोला साल का लड़का भी बेचारा आकर बोला है, उसको नहीं पता। समर्थन बोलना नहीं आता, समर्पित कोई बोल रहा है, कोई समर्पण बोल रहा है। लिखना भी नहीं आता उन लोगों को। कई सारे लोग तो आवेदन ऐसा है जो निरक्षर हैं। ना लिखना आता है, ना पढ़ना आता है, उनका आवेदन कहां से आया। सुनवाई सही तरीके से हो मैडम, धन्यवाद।

उपरोक्त वक्तव्यों के बाद अपर कलेक्टर एवं अपर जिला दण्डाधिकारी, कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, जिला–जांजगीर–चांपा (छ.ग.) तथा क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा उपस्थित जन समुदाय से अपने विचार व्यक्त करने का अनुरोध किया गया, किंतु जब कोई भी व्यक्ति अपने विचार व्यक्त करने हेतु उपस्थित नहीं हुए तद्उपरांत लगभग अपरान्ह 03:00 बजे अपर अपर कलेक्टर एवं अपर जिला दण्डाधिकारी, कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, जिला–जांजगीर–चांपा (छ.ग.) द्वारा लोकसुनवाई सम्पन्न होने की घोषणा की गई।

लोकसुनवाई स्थल पर लिखित में कुल 99 आवेदन पत्र सुझाव/विचार/टीका –टिप्पणी प्राप्त हुई। लोक सुनवाई के दौरान 133 व्यक्तियों के द्वारा मौखिक सुझाव/विचार/टीका–टिप्पणी एवं आपत्तियां अभिव्यक्त की गई, जिसे अभिलिखित किया गया। लोक सुनवाई में लगभग 250 व्यक्ति उपस्थित थे। आयोजित लोक सुनवाई की वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी कराई गई।

क्षेत्रीय अधिकारी
क्षेत्रीय कार्यालय,
छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल,
बिलासपुर (छ.ग.)

अपर कलेक्टर एवं अपर जिला दण्डाधिकारी,
कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी,
जिला–जांजगीर–चांपा (छ.ग.)